चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 186 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 दिसंबर 2024 सोमवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
9 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

फतवा: नए साल का जश्न न मनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने नए साल का जश्न मनाने से मना किया है और फतवा जारी किया है। मुफ्ती शहाबुद्दीन ने बताया कि नए साल का जश्न मनाना ईसाइयों का काम है। यह इस्लाम और शरीयत के खिलाफ है। फतवे में मुसलमानों से अपील की गई है कि वे इस तरह के किसी जश्न का हिस्सा न बनें। फतवे में लिखा गया है कि नए साल जश्न मनाने वाले शरीयत की नजर में मुजरिम हैं। यहां तक कि कोई मुसलमान नए साल की बधाई भी किसी को न दें। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी बरेली में चश्मे दारुल इफ्ता के हेड मुफ्ती और मुस्लिम जमात के अध्यक्ष हैं।

साइबर ठगों से सावधान रहने की दी हिदायत

भोपाल। नये साल पर बधाई संदेशों के नाम पर साइबर ठगी के संबंध में साइबर क्राइम ने एडवाइजरी जारी की है। साइबर क्राइम ने बधाई संदेशों के नाम पर ठगों की ओर से की जाने वाली धोखाधड़ी से सचेत रहने और ठगी प्रकरणों में तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिये कहा है। दरअलस, साइबर ठग आगामी त्योहारों और नववर्ष से पहले बधाई-गिफ्ट के लिंक शेयर कर ठगी का शिकार बना सकते हैं। अपग्रेड पैन कार्ड के नाम से भी ठगी हो सकती है।

किसान आंदोलन से सड़कें जाम, ट्रेनें थमीं

चंडीगढ़। फसलों की एमएसपी गारंटी कानून समेत 13 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में पंजाब बंद है। किसानों ने आज सुबह 7 बजे हाईवे बंद कर दिए। इससे करीब दो सौ सड़कों पर जाम के हालात हैं। एयरपोर्ट जाने वाली रोड भी बंद कर दी गई है। अमृतसर-दिल्ली और जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर किसान बैठे हुए हैं। मार्केट के साथ पेट्रोल पंप बंद हैं। बसें भी बंद हैं। पंजाब बंद को धार्मिक, सामाजिक संगठनों और व्यापारियों समेत अन्य संगठनों ने समर्थन दिया है। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि इमरजेंसी सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी। किसी की कोई परीक्षा, इंटरव्यू आदि है तो उसे भी नहीं रोका जाएगा।

कुछ खास वर्गों पर होगा फोकस, बजट में मिलेगी झलक

नए साल में नए रोडमैप पर चलने की तैयारी में सरकार, होमवर्क का दौर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार नये साल में कामकाज के नये रोडमैप पर अमल करेगी। बीते कुछ दिनों से मुख्यमंत्री मोहन यादव इस संबंध में अफसरों से चर्चा कर रहे हैं। वे कई विभागों की बैठक कर चुके हैं और अफसरों से वन टू वन भी जारी है। बताया जा रहा है कि नये साल में सरकार किसान,युवा,महिला व गरीबों पर केंद्रित कुछ योजनाओं पर जोर देगी। छोटे किसानो को बोनस देने का महत्वाकांक्षी पहल भी इसमें शामिल हैं। लेकिन रोजगार के लिये सरकार का सारा जोर रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव पर भी टिका है। ऐसी आधा दर्जन समिट हो चुकी हैं और इनकी पूर्णाहूति फरवरी में भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में होगी। इससे पहले शहडोल में अगले पखवाडे रीजनल समिट की तैयारी भी तेज है। जानकार सूत्र बताते हैं कि युवाओं को रोजगार के लिये मुख्यमंत्री भी अब तक मिले निवेश

प्रस्तावों को जल्द धरातल पर उतारने के लिये अफसरों को तेजी से काम करने के निर्देश दे रहे हैं। इस बीच राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और अगले वित्त वर्ष के बजट की तैयारी भी तेज कर दी गई है। यह बजट यादव सरकार की प्राथमिकता के हिसाब से बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि सरकार को हाल के दिनों में कई बार कर्ज लेना पडा है।

जरूरत के मुताबिक जीएसटी का हिस्सा मांगने की तैयारी

मप्र सरकार के तमाम विभाग आज से वित्त विभाग के साथ 16वें वित्त आयोग के लिए बन रहे मेमोरेंडम पर चर्चा में जुट गये हैं। सरकार के विजन 2047 के हिसाब से विभागों की जरूरतों का लेखा-जोखा बनाया जा रहा है ताकि उस हिसाब से केंद्र से जीएसटी में हिस्सा मांगा जा सके। हालांकि फरवरी के अंत में होने वाला वित्त आयोग के सदस्यों का दौरा अब 6 -7 मार्च को होगा। भोपाल ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की वजह से यह बदलाव हुआ है। वित्त विभाग अन्य महकमो को 16वें वित्त आयोग से जुड़ी उनकी वित्तीय जरूरतों का प्रेजेंटेशन सौंप चुका है। आज इस पर सभी विभाग फीडबैक दे रहे हैं। इसके बाद सभी प्रस्तावों को जो?कर एक मेमोरेंडम बनेगा, जिसका प्रेजेंटेशन वित्त आयोग की टीम के सामने होगा। जानकारों की मानें तो वित्त आयोग में राज्य सरकार की मांग के आधार पर विशेष प्रोजेक्ट के लिए स्पेशल ग्रांट की मांग भी की जा सकती है।

सौरभ मामले में नया ट्विस्ट, दस्तावेजों के सहारे जांच एजेंसी

विधायक पर बरसी मां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

परिवहन विभाग का पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा अब तक विदेश से नहीं लौटा है। ऐसे में लोकायुक्त ,ईडी की जांच भी अब तक मिले दस्तावेजों के आधार पर ही चल रही है। इधर सौरभ की मां उमा शर्मा ने पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम मोहन यादव से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी को हटाने की गुहार लगाई है। लोधी ने हाल में सौरभ की कमाई में पिछोर के पूर्व विधायक केपी सिंह को हिस्सेदार बताकर कई गंभीर आरोप लगा दिए थे। जैसे ही यह आरोप वायरल हुए तो सौरभ की मां मीडिया के सामने आई और कहा कि जैसे ही उन्हें मौका मिलेगा, वह प्रीतम लोधी के खिलाफ मानहानि का केस लगाएगी। सौरभ की मां ने कहा है कि उनके घर का राशन-पानी खत्म हो गया है, लेकिन घर से बाहर नहीं निकल पा रही है। हर तरफ से उन्हें घेरकर रखा है। गौरतलब है कि सौरभ के दोस्त चेतन की कार से 52 किलो सोना व 11 करोड़ की नगदी मिली है। आरोप है कि वह कई लोगों के साथ मिलकर परिवहन विभाग के बैरियरों से उगाही करता था।

चतुराई से निवेश : बताया जा रहा है कि सौरभ ने अपनी कमाई के पैसे से ग्वालियर और भोपाल में खूब जमीनों की खरीद-फरोख्त की। उसने न सिर्फ अपनी पत्नी दिव्या तिवारी, मां उमा शर्मा बल्कि रिश्तेदारों के नाम से भी संपत्ति खरीदी फिर दान के जरिए संपत्ति की हेराफेरी की। बरामद दस्तावेजों के मुताबिक, सौरभ की मां को हाल ही के समय में दो रिश्तेदारों से जमीनें दान में मिलीं। यह जमीनें सौरभ के नौकरी में आने के बाद मिली। वहीं सौरभ की पत्नी दिव्या तिवारी ने अपनी बहन को संपत्ति दान की। माना जा रहा है कि सौरभ की काली कमाई को उसकी पत्नी दिव्या ही मैनेज करती थी। दस्तावेजों में उसने पूरा नाम दिव्या तिवारी लिखा, साथ में पिता सलिल तिवारी का नाम लिखती थी। दानपत्र में भी उसने पिता के नाम का उपयोग किया है। सौरभ का न तो नाम साथ में उपयोग किया, न ही सरनेम लिखा।

अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आज इसरो का सबसे बड़ा मिशन

रात में लांच होगा स्पेडेक्स

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो आज रात 10 बजे स्पेडेक्स मिशन लांच करने वाला है। इसरो के इस मिशन की सफलता ही भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के बनने और चंद्रयान-4 की सफलता को तय करेगा। इसलिए इस लॉन्चिंग को बेहद अहम माना जा रहा है। इस मिशन में दो सैटेलाइट हैं. पहला चेसर दूसरा टारगेट. चेसर सैटेलाइट टारगेट को पकड़ेगा उससे डॉकिंग करेगा। इसके अलावा इसमें एक महत्वपूर्ण टेस्ट और हो सकता है। सैटेलाइट से एक रोबोटिक आर्म, जो हुक के जरिए यानी टेथर्ड तरीके से टारगेट को अपनी ओर खींचे। इस प्रयोग से फ्यूचर में इसरो ऑर्बिट छोड़ अलग दिशा में जा रहे हिस्से को वापस कक्षा में लाने की तकनीक मिल जाएगी। साथ ही ऑर्बिट में सर्विसिंग और रीफ्यूलिंग का ऑप्शन भी खुल जाएगा। स्पेडेक्स मिशन में दो अलग-अलग स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में जोड़कर दिखाया जाएगा।

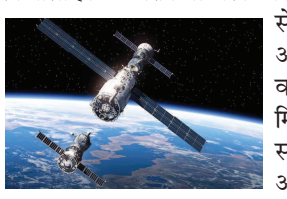

दिग्गज पस्त, यशस्वी के सहारे ड्रा का ख्वाब भी चूर

मेलर्बन, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से आज हार गई। इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया। जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था। यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया। टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए।

फंसे पर्यटकों के लिए मस्जिदें खोलीं
सर्दी बारिश से जनजीवन बेहाल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी से हालात खराब हैं। हिमाचल में 340 सड़कों पर आवाजाही बंद है। छितकुल में ढाई फीट से भी ज्यादा बर्फ पड़ी है, जिससे कई टूरिस्ट फंस गए हैं। जबकि कश्मीर में बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लेह रोड बंद है। यूनिवर्सिटी के एग्जाम रद्द किए गए हैं। करीब 1800 गाड़ियां फंसी हैं। गांदरबल, सोनमर्ग, पहलगाम, गुंड, बारामूला समेत कई जगहों पर तापमान माइनस 10 से 22 डिग्री तक पहुंचा है। करीब 2 हजार पर्यटक अलग-अलग जगहों पर फंस गए। स्थानीय कश्मीरियों ने घर और मस्जिद के दरवाजे खोले। इन्हें रुकने की जगह दी, कंबल रजाई के साथ खाने-पीने का गर्म सामान भी दिया। **इधर मप्र** में नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से क?ाके की सर्दी का दौर फिर शुरू हो जाएगा। बर्फीली हवा चलेगी। सबसे ज्यादा असर उज्जैन और ग्वालियर-चंबल में दिखाई देगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी कोहरा देखने को मिलेगा।वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन के एक्टिव होने से प्रदेश में 2 दिन तेज बारिश का दौर रहा।

मेट्रो एंकर

इंदौर में सामने आ रहे कई चौंकाने वाले मामले

भिखारी पकड़ता प्रशासन और अधिकार मांग रहा भिखारियों का संगठन !

इंदौर,रवीन्द्र व्यास।

भिखारी मुक्त शहर बनाने की मुहिम में इंदौर के अफसरों को कई खट्टे मीठे अनुभव मिलने लगे हैं। कलेक्टर के भिक्षावृत्ति मुक्त शहर बनाने के अभियान से शहर के भिखारी सख्त नाराज हैं 7 इन्होंने कलेक्टर कार्यालय में विरोध प्रदर्शन तक कर डाला है। प्रदर्शनकारियों नकी मांग है कि भिक्षा मांगने की अनुमति दी जाए या उनके भरण-पोषण की जिम्मेदारी ली जाए। पेंशन के नाम पर दिए जा रहे 600 रुपए के स्थान पर प्रति माह 5 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाए । खास बात ये कि इसके लिए जागरूक भिखारियों ने अन्य राज्यों का उदाहरण भी दिया। आंध्र प्रदेश में 6 से 15 हजार रुपए, दिल्ली और हरियाणा में 3 हजार रुपए, और महाराष्ट्र में 4 हजार रुपए मासिक सहायता दी जाती है। इनको कुछ सामाजिक संगठनों का सहयोग भी मिला है लेकिन कलेक्टर आशीष सिंह ने कह दिया है कि भिक्षावृत्ति की अनुमति नहीं मिलेगी। निसहाय और जरूरतमंद लोगों के लिए सेवाधाम उज्जैन में इलाज और रोजगार के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। हातोद के पास पितृ पर्वत क्षेत्र में कुष्ठ रोगियों को घर और खेती के लिए जमीन भी दी गई है। दरअसल, मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा आबादी वाला जिला इंदौर इन दिनों भिखारियों के कारण चर्चा में है। बड़ा व्यावसायिक केंद्र होने के साथ यहां भिखारियों को भी अच्छी आमदनी का जरिया शायद नजर आने लगा इसी आशा में देश प्रदेश के भिखारी यहां अपनी आय बढ़ाने के लिए पहुंचते हैं। मसलन आंध्र प्रदेश के करनूल से आये भिखारी को जिला प्रशासन की टीम ने पकडा तो पता चला भिक्षुक महोदय बाकायदा स्लीपर कोच से रिजर्वेशन कराकर इंदौर आए थे।

संपन्न भिखारी मिल रहे

पकड़े जाने वाले भिखारियों के पास से मिलने वाले पैसे एक अलग कहानी कह रहे है हाल में महिला बाल विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा की टीम ने हाई कोर्ट के समीप मस्जिद के पास एक महिला को भिक्षावृत्ति करते हुए पकड़ा । जांच में मिले सामान और पैसे को देख कर सभी दंग रह गए । महिला जो बैग लिए थी उसमे 30 से 40 थे । इनकी धनराशि को गिना गया तो यह राशि 45000 के लगभग थी । इससे पहले भी रजवाड़े में एक महिला के पास ।5000 की राशि एवं एक के पास 29000 की राशि और एक के पास 20000 की राशि प्राप्त हुई थी। वहीं इंदौर कमिश्नर ऑफिस कैंपस में कर्नूल आंध्र प्रदेश के जिस व्यक्ति को भीख मांगते पकड़ा गया । उसके पास से 20000 नगद मिले, रेलवे रिजर्वेशन की टिकट भी मिली। रेलवे का एक पास भी मिला जो कर्नूल का था। रेलवे रिजर्वेशन के कई फॉर्म भी मिले। हालांकि उसके पास वापसी का रिजर्वेशन 25 दिसंबर का था, लेकिन अच्छी कमाई देखकर वह यहीं रुक गया था। प्रदेश में भिक्षावृत्ति को समाप्त करने के लिए लगभग 50 वर्ष पहले कानून बना था।

मौसम का मजा लेने बोट क्लब पहुंच रहे लोग

भोपाल के बोट क्लब का मौसम दृश्य

सुबह कोहरा, बादल, दोपहर बाद गुनगुनी धूप से राहत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में एक बार फिर कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू हो सकता है। सोमवार को मौसम का मिजाज पूरे दिन अलग-अलग रंग में नजर आया। सुबह शहर में कोहरा छाया और विजिबिलिटी 800 मीटर के आसपास रही, इसी प्रकार दोपहर तक हल्के बादल रहे, इसके बाद गुनगुनी धूप भी रही। मौसम खुलने के बाद शाम को हवा का रूख उत्तरी हो गया और सर्द हवाओं के चलते शाम से रात्रि तक तीन घंटे में ही तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट आ गई।

पिकनिक स्पॉट पर लगी रही भीड़: शहर में रविवार के बाद सोमवार को भी बादलों के कारण मौसम सुहाना रहा, ऐसे में शहर के पिकनिक स्पॉट पर भी लोगों की भीड़ लगी रही और सुहाने मौसम का आनंद लोग उठाते रहे। दोपहर बाद हल्की धूप भी खिल गई थी, साथ ही धुंध जैसी स्थिति भी बन रही थी। इसके बाद शाम से फिर मौसम सर्द होने लगा।

चिकनगुनिया और डेंगू के मरीज अभी तक, पिछले साल से ज्यादा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इस बार राजधानीमें लोगों को चिकनगुनिया व डेंगू का डर अब तक सता रहा है। जनवरी आने वाला है और इसके मरीज अब तक सामने आ रहे हैं। दिसंबर में महीने में अब तक डेढ दर्जन से ज्यादा मरीज सामने आ चुके हैं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक यह है कि इस साल जनवरी से अब तक चिकनगुनिया के 325 मरीज मिले हैं। जबकि, बीते साल दिसंबर महीने में सिर्फ 11 मरीज मिले थे, यही नहीं बीते साल में सिर्फ 123 मरीज सामने आए थे। चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या पिछले साल के मुकाबले इस साल ढाई गुना से भी अधिक है। डॉक्टरों का कहना है कि चिकनगुनिया के वायरस में म्यूटेशन हो रहा है इस कारण इसका स्ट्रेन बदल गया है। यही वजह है कि गए साल के मुकाबले इस बार वायरस जोड़ों पर ज्यादा अटैक कर रहा है। उल्लेखनीय है कि चिकनगुनिया की जद में आए अधिकांश मरीज 10 से 12 दिन में बुखार आदि से उभर पा रहे हैं, लेकिन ज्वाइंटपेन और शरीर में जकड़ जैसी परेशानियां लंबी चल रही हैं। कई लोग शिकायत कर रहे हैंकि जब तक दवाएं खाओ दर्द से राहत है, दवाएं बंद करने पर तीन महीने औरउससे भी ज्यादा वक्त तक दर्द परेशान कर रहा है। दूसरी तरफ डेंगू के मरीज भी लगभग हररोज सामने आ रहे हैं। इस दिसंबर मेंडेंगू के 22 नए मरीज सामने आए हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस साल अबतक कुल 692 मरीज ही सामने आए हैं। जो गए साल के मुकाबले कम है। पिछले सालभरमें 856 मरीज सामने आए थे।

40 साल बाद... यूका का जहरीला कचरा 12 कंटेनर में लदा

पीथमपुर में विशेषज्ञों की मौजूदगी में इसे नष्ट करने की कार्रवाई होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में अब गैस कांड के 40 साल बाद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के गोदाम में रखे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई है अगले तीन चार दिन में यह कचरा पीथमपुर पहुंचाया जाएगा। कल सुबह से यह काम जारी है। कल सबसे पहले एक्सपर्ट्स की टीम ने मौके पर पहुंचकर कड़े सुरक्षा घेरे में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की कवायद की। इस बारे में भोपाल गैस त्रासदी राहत-पुनर्वास के संचालक स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि गाइडलाइन को फॉलो करते हुए कचरे को भोपाल से पीथमपुर ले जाया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर पूरी प्रोसेस की जा रही है। आगामी 3 जनवरी को सरकार को हाईकोर्ट में शपथ पत्र देना है। इसलिए कचरे को भेजने की प्रक्रिया इससे पहले पूरी कर लेंगे। पीथमपुर में कचरा पहुंचाने के बाद उसे 9 महीने में जलाना भी है। इस काम के लिये कार्बाइड परिसर के चारों तरफ सौ से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं, कुल चार सौ अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों की टीम इस काम में जुटी है। गैसकांड के 40 साल बाद रामकी कंपनी के एक्सपर्ट्स की मॉनिटरिंग में ये कचरा 12 कंटेनर ट्रकों में भरा जा रहा है। जो मजदूर कंटेनर ट्रकों में कचरा भर रहे हैं, उन्हें सेफ्टी के सारे उपकरण और सुविधाएं दी गई हैं। अंदर ही डॉक्टरों की टीम भी तैनात की गई है, जो हर हालात पर नजर रख रही है। कचरा लोडिंग के दौरान अगर किसी की तबीयत बिगड़ती है तो फौरन मौके पर ही उसे दवा और ट्रीटमेंट देने के इंतजाम है। बताया जाता है कि जहरीले कचरे को कड़ी सुरक्षा के साथ 250 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पीथमपुर भेजा जाएगा। यहां कचरे को रामकी एनवायरो में जलाया जाएगा। हाईकोर्ट ने 6 जनवरी तक इसे हटाने के निर्देश दिए थे। 3 जनवरी को सरकार को हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश करना है। यानी, 2 जनवरी तक हर हाल में कचरा पीथमपुर भेजना ही है। पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट (रामकी) कंपनी इसका निष्पादन करेगी। रामकी एनवायरो में 90 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से कचरे को जलाने में 153 दिन यानी 5 महीने 1 दिन का समय लगेगा। 270 किलोग्राम प्रति घंटे की स्पीड से नष्ट करते हैं तो इसे खत्म करने में 51 दिन का वक्त लगेगा।

ग्रीन कॉरिडोर के लिए अफसर अलर्ट पर

हर ट्रक कंटेनर को यूनिक नंबर दिया गया है। ग्रीन कॉरिडोर के तहत ये जिस रूट से निकलेंगे उसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जाएगी। रास्ते पर ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारी भोपाल और इंदौर के संभाग आयुक्तों को सौंपी गई है। यह ट्रक करोंद मंडी होते हुए पीपुल्स मॉल, करोंद चौराहा, गांधी नगर, मुबारकपुर, सीहोर नाका होते हुए इंदौर जाएंगे। यह रूट इसलिए चुना गया है, क्योंकि रात के समय इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव कम रहता है। उधर कचरे को पीथमपुर में जलाने को लेकर कांग्रेस विरोध जता चुकी है। वहीं, गैस पीड़ित संघ भी आंदोलन कर चुके हैं। पीथमपुर में कल सुबह से पीथमपुर क्षेत्र रक्षा मंच के नेतृत्व में कचरा जलाने का विरोध किया जा रहा है।

नवनिध गर्ल्स स्कूल में आशीर्वाद समारोह

सिद्धभाऊजी ने स्वभाव में सरलता का पाठ पढ़ाया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में सत्र 2024-25 की बारहवीं की छात्राओं के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीद हेमू कालाणी समिति के अध्यक्ष सिद्धभाऊजी ने कहा कि अपने स्वभाव में सदैव विनम्रता बनाएं रखें। विद्यालय में अर्जित किए गए ज्ञान व शक्ति का प्रयोग विद्यार्थी जीवन भर करते हैं। विभिन्न सत्रों के माध्यम से सिखाई गई सभी बातों का आप अनुसरण करें। अपने माता-पिता तथा गुरुजनों पर पूर्ण निष्ठा एवं श्रद्धा रखकर सदा उनके लिए हृदय में सम्मान व कृतज्ञता का भाव रखें, ताकि आप जीवन की हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकें। कर्नल नारायण पारवानी ने कहा कि विद्यालयीन यात्रा के पश्चात आगे आपको नए मित्र मिलेंगे, उस समय भी आपको सही मित्र का चयन करने में सावधानी रखना है। संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि जीवन में आने वाली हर समस्या या चुनौती का हल हम अपने विद्यालय के अनुभव से ही ढूंढते हैं। सेवासदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव ए. सी. साधवानी, विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सह सचिव श्री के एल रामनानी, कन्हैयालाल मोटवानी , शिक्षाविद् विष्णु गेहानी चिल्ड्रन्स होप इंडिया की प्राचार्य प्रिया जैन, केवलराम चेनराय पब्लिक स्कूल की प्राचार्य सुमन विश्वकर्मा, विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी, उपप्राचार्य रेखा केवलानी एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्राएं मौजूद रहीं।

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप के 38 कलाकारों की प्रस्तुति

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप की 29 वीं संगीतमय प्रस्तुति में 38 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। आठ घंटे तक लगातार कलाकारों ने गीतों को गुनगुनाया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अखिल भारतीय सिंधी समाज के महासचिव सुरेश जसवानी, विशेष अतिथि प्रेस क्लब के अध्यक्ष सतीश बत्रा, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी एवं हीरो इसरानी एवं गायक रमेश तनवानी थे। अतिथियों का स्वागत ग्रुप संचालक रामचंद सभनानी, विवेक नगरूरकर,सुरेश तनवानी एवं चुनीलाल जेठानी ने किया। कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से रात्रि 9 बजे तक चला। सुरेश तनवानी, चुनीलाल जेठानी, वाई के विमल, हरनाम पेसवानी, डी एस कुलकर्णी, रमेश जनयानी, रमेश चंदानी, शशिलता, साबिर भाई, संजय नागपुर, जेठानंद तेजवानी, नीरज पुरसवानी, संजय चौहान, के एल मोटवानी, आशुतोष पागे, राजेश सरीन, अर्पिता सक्सेना, हरीश सावलानी, लक्ष्मण रामरखियानी, अनिल मोतीरामणि, भगवान लीलानी, आर के खेरिया, विवेक दुबे एवं अन्य कलाकारों ने भाग लिया। सभी कलाकारों को समान पत्र दिए गए। कार्यक्रम की एंकरिंग रोशनी तनवानी एवं अर्पिता सक्सेना ने की।

मेट्रो एंकर

श्रद्धांजलि: पूज्य सिंधी पंचायत और कांग्रेस ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को दिशा दी थी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को पूज्य सिंधी पंचायत एवं संतनगर ब्लॉक कांग्रेस ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके देश के लिए किए गए योगदान को याद किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह ने देश की अर्थ व्यवस्था को उस समय पटरी से नहीं उतरने दिया, जब दुनिया में मंदी छाई हुई थी। उन्होंने देश को मनरेगा, भोजन का अधिकार, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, परमाणु समझौता, किसान कर्ज माफी, रोजगार गारंटी, आधार पहचान पत्र जैसी योजनाएं दीं। इस अवसर पर उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, प्रवक्ता महेश गुरबानी प्रकाश विधानी राज़ मनवानी, नरेंद्र केवलानी व अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

सिंधी पंचायत ने मौन रखा

पूज्य सिंधी पंचायत कार्यालय में आयोजित सभा में पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से देश ने एक बड़े अर्थशास्त्री को खो दिया है। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरु कीं जो कांग्रेस सरकार के जाने के पश्चात भी चल रही हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि डॉ सिंह की मनरेगा, सूचना का अधिकार अधिनियम, आधार स्कीम सहित कई योजनाएं ऐसी हैं, जिनके चलते भारत देश विकसित देशो की श्रेणी में शामिल होने जा रहा है। इस अवसर पर पंचायत कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी, उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, कांग्रेस प्रवक्ता महेश गुरबानी, उप ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने भी डॉ. सिंह के जीवन पर विचार रखे।

कृति श्रीवास्तव को पीएचडी की उपाधि

भोपाल। राजधानी की शोधार्थी कृति श्रीवास्तव को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। कृति आरपी श्रीवास्तव एवं डॉ. इंदिरा श्रीवास्तव की पुत्री हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर से आइसोलेशन एंड कैरक्टराइजेशन ऑफ़ नावेल एडाफिक प्रोकेरियोटिक आर्गनिज्म फॉर डिग्रेडेशन ऑफ म्युनिसिपल वेस्ट पर पीएचडी की है। कीर्ति श्रीवास्तव ने अपना शोध कार्य प्रोफेसर (डॉ.) मनीष के अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए 5 से 10 नाम, चयन के लिए दिल्ली से मांगी राय

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भाजपा जिला अध्यक्षों के लिए नेताओं में प्रतिस्पर्धा की होड़ से मची है। नेता पीछे हटने को तैयार नहीं है। एक जिले से 10–10 लोग दावा अध्यक्ष के लिए दावा कर रहे हैं, कुछ जिलों में तो 25 से 30 नाम तक आए हैं। इन नामों को शार्ट लिस्ट करना भाजपा के लिए मुश्किल हो रहा है। अब प्रदेश भाजपा ने दिल्ली के वरिष्ठ नेतृत्व से इस संबंध में मार्गदर्शन मांगा है। बताया जा रहा है कि रविवार को दिल्ली में हुई बैठक में भाजपा जिला अध्यक्षों के चुनाव जल्द निपटाने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

– लोकसभा, विधानसभा चुनाव जिताने वाले पीछे हटने को तैयार नहीं

– तो वर्षों से जमीन से जुड़कर काम करने वाले भी मांग रहे मौका

सूत्रों के मुताबिक जिला अध्यक्ष चुने जाने को लेकर आ रही कठिनाइयों को लेकर प्रदेश भाजपा खुद के स्तर पर लगातार मंथन कर रही थी लेकिन जिला अध्यक्ष चुने जाने को लेकर एक राय नहीं बनी। जिसके बाद प्रदेश भाजपा ने केंद्रीय नेताओं से अलग–अलग विषयों पर राय मांगी थी। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय नेतृत्व ने सभी दिक्कतों के बारे में स्पष्ट लाइन दे देती है। राष्ट्रीय बैठक में मप्र भाजपा द्वारा बूथ व मंडल अध्यक्ष चुने जाने को लेकर बरती गई पारदर्शिता व सक्रियता चर्चा का विषय रही। इतना ही नहीं, प्रदेश भाजपा ने सक्रिय सदस्य बनाने में भी अच्छा काम किया था। मप्र भाजपा संगठन इस काम में पहले स्थान पर रहा तो गुजरात को दूसरी व यूपी को तीसरी रैंक मिली थी।

5 जनवरी तक सामने आ सकती है सूची

जिला अध्यक्षों की सूची 5 जनवरी तक आ सकती है। जिलों से तीन–तीन नामों का पैनल मंगवाया गया है। इनमें से एक नाम को प्रदेश स्तर पर फाइनल किया जाएगा। जिला स्तर पर प्राप्त होने वाले बाकी के नामों को स्थानीय स्तर पर ही शार्ट लिस्ट किया जाएगा।

जिला अध्यक्षों के लिए इसलिए होड़

- लंबे समय बाद चुनाव हो रहे हैं। ज्यादातर जिलों के मौजूदा जिला अध्यक्ष ही भारी पड़ रहे हैं। इनका दावा है कि विधानसभा चुनाव 2023, लोकसभा चुनाव 2024 और सक्रिय सदस्यता बनाने में इन्होंने मप्र भाजपा को देशभर में आगे रखा है।
- कई जमीनी पदाधिकारियों इस बात पर दावा ठोंक रहे हैं कि वह लंबे समय से बिना पद के काम कर रहे हैं। उन्हें तवज्जो नहीं मिल रही है।
- कई सांसद व भाजपा विधायक इस जोड़-तोड़ में हैं कि उनके गुट के अध्यक्ष हो तो आने वाले समय में चुनाव लड़ने को लेकर थोड़ी मदद मिलेगी।

अब छोटे किसानों को बोनस देगी यादव सरकार, तैयारी तेज

फसलों के नुकसान पर जिला स्तर पर आवश्यक निर्देश दिए

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के अब ऐसे छोटे किसान जिनकी फसलों की खरीदी सरकार के माध्यम से नहीं हो पाती और वे अपने स्तर से फसल बेच देते हैं, उन्हें प्रति हेक्टेयर बोनस राशि देने को लेकर जल्दी ही निर्णय लिया जा सकता है। सरकार ने उन किसानों को लाभान्वित करने का मन बनाया है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या अपेक्षाकृत सक्षम नहीं हैं। इसके साथ ही ओला,पाला आदि से फसलों के नुकसान पर जिला स्तर पर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। सीएम मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की दृष्टि से सरकार ने तय किया है कि किसान धान बेचने के लिए अभी न लाएं। इसे आगे की तारीख में एडजस्ट करेंगे। दरअसल भजापा के संकल्प पत्र में कहा गया था कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए बोनस देने का काम करेंगे। प्रति हेक्टेयर राशि देकर ऐसे छोटे किसान जो अपनी फसल बेचने के लिए नहीं आ पाते हैं उन्हें सरकार बोनस के रूप में मदद देगी। इसके लिए सरकार काम कर रही है और जल्दी ही इसको लेकर ऐलान किया जाएगा। छोटे किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिल पाने की शिकायतें आती हैं, इसलिए सरकार इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। सीएम यादव ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा से फसलों की क्षति के प्रावधान के अनुसार किसानों को राहत राशि दी जाएगी। देश के साथ प्रदेश में भी मौसम बदला है। किसानों के किसी भी संकट में सरकार संवेदनशील होकर उनके साथ खड़ी है। कोई नुकसान होता है, ओला-पाला की स्थिति बनती है तो कलेक्टर की माध्यम से मदद करेंगे।

केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष को ऑनलाइन मिलेगा केंद्र, जिला स्तर पर तैयार होगी नामों की सूची

केंद्रों के निर्धारण सहित केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल प्रक्रिया शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षाएं फरवरी माह में आयोजित होंगी। परीक्षाओं को लेकर माशिमं ने तैयारियां तेज कर दी है। केंद्रों के निर्धारण सहित केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि इस बार मंडल ने कई नियमों में बदलाव किए हैं। जिसके तहत अब मंडल ने तय किया है कि इस बार किसी परीक्षा केंद्र पर केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष कौन होगा, इसका फैसला अधिकारी नहीं, बल्कि मशीन करेगी। विकासखण्ड स्तर पर यह नियुक्तियां नहीं होगी। अब केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष बनाने के योग्य लोगों की एक जिला स्तरीय सूची तैयार होगी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति इसका अनुमोदन कर देती है तो जिला शिक्षा अधिकारी इस सूची को जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भेजेंगे। वहां पहले से मौजूद केंद्रों की सूची के साथ इस सूची को भी विशेष सॉफ्टवेयर में डाला जाएगा। ऐसे में केंद्रों पर तैनाती को लेकर इस बार मनमानी नहीं चल पाएगी।

गंभीर बीमारी से पीड़ित तो मिलेगी राहत

बोर्ड ने साफ कह दिया है कि जिनके बच्चे परीक्षा दे रहे होंगे,उन्हें पर्यवेक्षक नया केंद्राध्यक्ष हीं बनाया जाएगा। गंभीर बीमारी से पीड़ित को भी परीक्षा कार्य में नहीं लगाया जाएगा। साथ ही उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को उनके विषयों के प्रश्न पत्रों में पर्यवेक्षक के रूप में ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। पिछले वर्षों की परीक्षा में जिन परीक्षा केंद्रों पर सामूहिक नकल की घटना हुई है तो ऐसे परीक्षा केंद्रों पर उस समय नियुक्त केंद्राध्यक्ष को इस वर्ष की परीक्षा में केंद्राध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। गोपनीयता भंग करने या परीक्षा कार्य में घोर लापरवाही बरतने वाले केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, शिक्षक या अन्य कर्मचारी को ड्यूटी पर नहीं लगाने का निर्देश हुआ है। वहीं मंडल परीक्षा कार्य से डिबार किए गए शिक्षकों या प्राचार्यों को अपात्र कर दिया गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 40 अधिकारियों को मिलेगी क्रमोन्नति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के साथ–साथ राज्य प्रशासनिक सेवा के 40 से ज्यादा अधिकारियों का कद बढ़ेगा। इन्हें डिप्टी से ज्वाइंट और ज्वाइंट से एडिशनल कलेक्टर का तमगा मिलेगा। वहीं कुछ जूनियर से सीनियर, सीनियर से सेलेक्शन और सेलेक्शन से सीनियर ग्रेड पाने योग्या हो जाएंगे। इन्हें यह लाभ 1 जनवरी 2025 से मिलने लगेगा। यह निर्णय 27 दिसंबर को हुई विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में लिया गया है। हालांकि पदोन्नति समिति की बैठक में जो निर्णय लिया है वह पदोन्नति के रूप में मान्य नहीं होगा, बल्कि क्रमोन्नति माना जाएगा। इसकी वजह प्रमोशन आरक्षण पर फंसा पेंच है। सूत्रों के मुताबिक विभागीय पदोन्नति समिति के सामने 90 अधिकारियों की फाइलें रखी थीं। इनमें से 40 अधिकारियों को क्रमोन्नति दिए जाने संबंधी सहमति बनी है। सूत्रों के अनुसार 2008 बैच को सीनियर सेलेक्शन ग्रेड, 2014 बैच को सेलेक्शन ग्रेड और 2019 बैच के अधिकारियों को सीनियर ग्रेड दिए जाने पर सहमति हुई है। उसके पूर्व मप्र कैडर के 55 आईएएस अधिकारी व 12 आईपीएस अधिकारियों को सरकार ने पदोन्नत करने का निर्णय लिया था। जल्द ही इसके आदेश जारी होने हैं।

परफार्मेंस के आधार पर अफसरों को दी जाएगी जिम्मेदारी

सरकार बना रही प्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट खराब परफार्मेंस वाले अफसरों पर गिरेगी गाज तीन साल पूरे करने वाले अफसर बदलेंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मोहन सरकार नए साल में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी में है। मंत्रालय से लेकर जिलों तक बदलाव होंगे। विकसित मप्र के लक्ष्य को इसका आधार बनाया जाएगा। सरकार के स्तर पर खाका तैयार हो रहा है। बीते साल में पिछड़ने वाले अधिकारियों से नए फार्मूले के आधार पर निपटा जाएगा। मप्र का विजन डॉक्यूमेंट तैयार हो रहा है। सरकार इसमें उद्योग, कृषि-वनोत्पाद, अद्योसंरचनाएं एवं नगरीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवाएं, सुशासन एवं नागरिक सेवाएं और वित्तीय नियोजन एवं संवर्धन जैसे 8 कार्य समूह तय किए हैं। माना जा रहा है कि इन समूहों में पहले से कुछ काबिल अफसर हैं लेकिन कुछ का परफार्मेंस बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

यहां बदली जा सकती है प्रशासनिक जमावट

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग व राज्य निर्वाचन आयोग में आयुक्त की पदस्थापना। जिलों में विवादित हो चुके कलेक्टरों पर गाज गिरनी तय है, उनको भी वापस बुलाया जाना है जो 3 साल पूरे कर चुके हैं। ऐसे जिले जहां पक्ष-विपक्ष के विधायकों ने सदन में गंभीर मुद्दे उठाए और शासन-प्रशासन को किरकिरी झेलनी पड़ी, वहां कलेक्टरों पर गाज गिरनी तय। राजस्व महाभियान में खराब परफार्मेंस वाले कमिश्नर-कलेक्टर भी निशाने पर होंगे। खाद संकट के दौरान जिलों में बेहतर वितरण व्यवस्था नहीं बना पाने, किसानों को नहीं समझा पाने वाले कुछ कलेक्टर भी राडार पर बताए जा रहे हैं। ऐसे जिले जहां से सीएम हेल्पलाइन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का ग्राफ कम करने के लिए बगैर वैधानिक निराकरण के बंद करने की दोबारा शिकायतें मिल रही हैं, उन संबंधित अधिकारियों को भी बदला जा सकता है।

भोपाल के विज्ञान मेले में नगरीय विकास विभाग का स्टॉल

प्रदर्शनी में विज्ञान और योजनाओं की दी जा रही है जानकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के जम्बूरी मैदान में विज्ञान भारती एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित विज्ञान मेले में बच्चों, युवाओं और नागरिकों को देश-दुनिया में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही तरक्की की जानकारी आकर्षक मॉडल्स के माध्यम से दी जा रही है।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिये विज्ञान मेले में स्टॉल लगाया है। स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मेट्रो, अमृत योजना और स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी नागरिकों को दी जा रही है।

स्टॉल में विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी द्वारा स्कॉच अवार्ड से पुरस्कृत धर्मपुरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत ग्वालियर में निर्मित की गयी कॉलोनी और नगर निगम भोपाल के बॉयो सीएनजी प्लांट सहित भानपुर खंती उद्यान का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया है। स्टॉल पर मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। विज्ञान मेले का समापन 30 दिसम्बर को दोपहर बाद होगा। विज्ञान मेले की शुरूआत 27 दिसम्बर को हुई थी।

संपादकीय

बांग्लादेश के मंसूबों के पीछे कौन

भारत के लिये बांग्लादेश के मामले अब नया सिरदर्द बन गये हैं। पडोसी देशों से बेहतर रिश्ते नहीं होने से पहले ही कम परेशानी नहीं रहीं लेकिन जिस बांग्लादेश से रिश्ते बेहतर थे वहां बीते तीन चार महीने से परोक्ष या अपरोक्ष दिक्कते हैं। अभी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे दोनों देशों के रिश्तों में बेहतरी आने के बजाय खटास और बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। खासकर, जिस तरह से बांग्लादेश की पाकिस्तान से करीबी बढ़ रही है, वह भारत के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है। पड़ोसी मुल्क में हालिया सत्ता परिवर्तन सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं था। इसलिए उसके बाद थोड़ी अफरातफरी स्वाभाविक थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भी जारी रहा। यह इस बात का संकेत था कि बांग्लादेश का नया नेतृत्व या तो इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में है या उन पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। लंबी सरहद वाले इस पड़ोसी मुल्क में इस तरह का घटनाक्रम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करता है। लिहाजा, भारत ने ठीक ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बार-बार कहा कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मगर वहां की सरकार ठोस कदम उठाने के बजाय हिंसा की इन घटनाओं को झुठलाने में लगी रही। इसके साथ ही उसने ऐसा रुख अपनाना शुरू किया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। इसी रुख का ताजा उदाहरण है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग। दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक प्रत्यर्पण की बात नहीं है, फिर भी इस संधि के हवाले से उस पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने इस पर अभी तक तो खामोशी बनाए रखी है, लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जाने-अनजाने इस मांग के जरिए उसे असुविधाजनक स्थिति में डालने की इच्छा रखने वालों का अजेंडा आगे बढ़ा रही है। यह सब जैसे काफी न था, बांग्लादेश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ आश्चर्यजनक तेजी से संबंध सुधारने शुरू कर दिए। हालांकि कोई भी देश किसी भी अन्य देश से रिश्ते सुधारता है तो इसमें आपत्तिजनक कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ हुई मुलाकात में बांग्लादेशी सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस ने 1971 के मसले सुलटाने की बात कही, बांग्लादेशी सेना को पाक सेना के जरिए ट्रेनिंग दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई और बगैर जांच पड़ताल के पाकिस्तानी जहाज व पाक नागरिकों को प्रवेश दिया जाने लगा है, वह सामान्य बात नहीं है। पहले ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बांग्लादेश के जरिये भारत में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ाने की कोशिश की थी। वह फिर से ऐसी कोशिशें कर सकती है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती है कि बांग्लादेश सीमा को लेकर अत्यधिक सतर्कता रखे और इसके साथ ही बांग्लादेश को साफ तौर पर अपने पक्ष से अवगत भी कराती रहे। क्योंकि बांग्लादेश की सरकार की हाथ जाहिर तौर पर तो युनूस के हाथ नजर आ रही है लेकिन असल बागडोर वहां की सेना के हाथ में लगती है। क्योंकि युनूस की भाषा भी सेना के मंत्व्यों के इर्दगिर्द रहती है।

मनमोहन सिंह की विरासत 1991 से परे

अमेरिका से परमाणु समझौता जिसने भारत के वैश्विक कद को बढ़ाया

■ शेखर गुप्ता

बीते दो दिनों में डॉ. मनमोहन सिंह के बारे में लाखों शब्द लिखे और बोले जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर शब्द उनके द्वारा लागू किए गए आर्थिक सुधारों के बारे में ही होंगे. उनके प्रशंसक उनके जीवन को किस तरह केवल एक रंग के चश्मे से देखते रहे हैं, इसे समझा जा सकता है. उनके ऐसे प्रशंसकों में वह भी शामिल हैं जिन्होंने कभी कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं दिया होगा और न कभी देंगे। लेकिन यह मनमोहन सिंह के साथ कई तरह से बड़ी ज्यादती है. पहली बात तो यह है कि इससे उन्हें और उनकी विरासत को केवल उनके उस काम के दायरे में सीमित कर दिया जाता है, जो काम उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री बनने से कोई डेढ़ दशक पहले ही कर दिया था। दूसरे, इससे आर्थिक सुधारों का सारा श्रेय केवल उनके हिस्से में चला जाता है, जबकि 1991 में जो किया गया उसका राजनीतिक जोखिम तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहराव ने उठाया था. इसलिए उन सुधारों का श्रेय जितना नरसिंहराव को जाता है उतना ही मनमोहन सिंह को भी जाता है। और तीसरे, यह उनकी विरासत को इस 'जुगलबंदी' तक ही सीमित कर देता है और प्रधानमंत्री के रूप में अपने दूसरे अहम योगदानों के कारण उन्हें इतिहास में जो जगह मिलनी चाहिए उससे वंचित करता है. इन योगदानों में रणनीतिक तथा विदेशी मामलों से लेकर राजनीति के क्षेत्र में दिए गए उनके योगदान शामिल हैं। मनमोहन सिंह 2004 की गर्मियों में जब प्रधानमंत्री बने थे तब यही सवाल चर्चा में था कि यूपीए सरकार किस तरह का आर्थिक एजेंडा अपनाने जा रही है. क्या वे उस सूत्र को पकड़कर आगे बढ़ेंगे जिसे उन्होंने और नरसिंहराव ने 1996 में छोड़ दिया था? या क्या वे अपनी पार्टी और संसद में अपने सबसे बड़े सहयोगी वाम मोर्चे की विचारधारा की ओर लौटेंगे? नॉर्थ और साउथ ब्लॉकों पर कड़ी नज़र रखने वाले प्रायः तमाम प्रेक्षक भी यह मानने को तैयार नहीं थे कि विदेश तथा रणनीतिक मामलों से संबंधित नीतियों में कोई बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। यह धारणा अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के प्रति कांग्रेस के पुराने संदेह और निर्गुट आंदोलन तथा तीसरी दुनिया के प्रति उसके स्थायी मोह की वजह से बनी थी. अगर आपने 24 जुलाई 1991 की सुबह किसी से यह कहा होता कि नरसिंहराव दोपहर तक बजट से पहले एक उद्योग मंत्री (उस समय उद्योग मंत्रालय नरसिंहराव के पास ही था) के वक्तव्य के जरिए जवाहरलाल नेहरू 1956 के उद्योग नीति प्रस्ताव को रद्द कर देंगे, तो आपसे अपने दिमाग का इलाज करवाने की सलाह दे दी जाती। और 2004 की गर्मियों में अगर आप यह कल्पना करते कि वाम मोर्चे के 61 सांसदों के समर्थन पर टिकी वामपंथी झुकाव वाली

गठबंधन सरकार अगले दो साल में अमेरिका के साथ पहली महत्वपूर्ण संधि (जो अंततः एक रणनीतिक संधि के रूप में सामने आई) करने जा रही है, तब तो आपके दिमाग पर और ज्यादा संदेह किया जाता.

1991 के आर्थिक सुधारों के मुकाबले इस बदलाव की जड़ें ज्यादा गहरे बौद्धिक चिंतन से जुड़ी थीं. 1991 में तो एक संकट का बहाना भी था कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी मांगों से दबाव बना रखा था, लेकिन भारत की रणनीतिक स्थिति को बदलने का ऐसा कोई दबाव नहीं था। भारत को पश्चिमी खेमे के साथ गर्मजोशी वाला रिश्ता बनाने का विचार 1980 में इंदिरा गांधी की वापसी के बाद से ही पनप रहा था, जब वे अफगानिस्तान पर सोवियत संघ के हमले से काफी परेशान हो गई थीं और भारत को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में उसका रणनीतिक दृष्टि से मजबूर होकर समर्थन करना पड़ा था. 1981 में उन्होंने कानकुन में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन की ओर हाथ बढ़ाया था। लेकिन बात इससे आगे नहीं बढ़ी थी. राजीव गांधी और उनके बाद नरसिंहराव ने भी कुछ कदम आगे बढ़ाए, लेकिन ये कदम कुछ सहमे-सहमे-से थे. सोवियत संघ तो बेशक लुप्त हो चुका था, लेकिन अमेरिका के प्रति अभी भी गहरा संशय और सावधानी कायम थी. अटल बिहारी वाजपेयी ने कुछ महत्वपूर्ण पहल की, लेकिन कांग्रेस ने इस 'बदलाव' की कड़ी आलोचना की। मनमोहन सिंह की सफलता यह थी कि उन्होंने एक कांग्रेस सरकार का नेतृत्व करते हुए इसी बदलाव को ज्यादा निर्णायक बनाया. उन्हें खुद अपनी पार्टी और यूपीए के साथियों से जितना कम समर्थन हासिल था उसके मद्देनज़र यह बदलाव, मेरे विचार से, 1991 के सुधारों से कहीं ज्यादा साहसिक था. कांग्रेस में अभी भी शीतयुद्ध वाले योद्धा भरे पड़े थे जिनमें उनके कुछ वरिष्ठतम मंत्री भी शामिल थे और 10, जनपथ भी इसके लिए तैयार नहीं था. न ही उसे इसकी कोई ज़रूरत या इसके लिए कोई दबाव महसूस हो रहा था। विदेश सेवा की अफसरशाही से समर्थन तो छोड़िए, उलटे गहरा प्रतिरोध और असंतोष तक का सामना करना पड़ा. उनमें से कई यह उम्मीद कर रहे थे कि वाजपेयी के एनडीए के जाने के बाद कांग्रेस वाला तौर-तरीका वापस लौट आएगा. इसके उलट होने की कोई अपेक्षा नहीं कर रहा था।सोनिया गांधी भी संशय में थीं और वामपंथी नेताओं पर ज्यादा विश्वास कर रही थीं, जिन्हें यह अपमानजनक और विश्वासघात जैसा दिख रहा था. यह एकमात्र ऐसा मुद्दा बन गया जिस पर मनमोहन सिंह अपनी पार्टी के कर्णधारों से भी भिड़ गए और उन्होंने अपनी सरकार को भी दांव पर लगा दिया था. राजनीतिक रूप से यह 1991 के सुधारों के मुकाबले ज्यादा जोखिम भरा था. 1991 में राव को पार्टी के कर्णधारों की चिंता नहीं थी और न ही वामपंथी नेताओं के समर्थन की ज़रूरत थी। उस समय अमेरिका में भारत के राजदूत रोनेन सेन के रूप में मनमोहन सिंह को एक मजबूत समर्थक मिल गया, जिन पर गांधी परिवार को भी भरोसा था. इस मामले में विस्तार से कुछ जानने के लिए आपको सेन के संस्मरणों के छपने का इंतज़ार करना होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ऐसा कुछ लिखने की जल्दबाज़ी नहीं है. यह वह समय था जब सेन ने भारत के सांसदों को 'बिना सिर वाले मुर्गे' कह डाला था. बहरहाल, उन्होंने और पुराने राजनयिक, विदेश मंत्री और परिवार के भरोसेमंद के. नटवर सिंह ने भी 10, जनपथ को राज़ी किया। क्या यह जोखिम ज़रूरी था? इससे हासिल होने वाले लाभों की तुलना क्या 1991 के आर्थिक सुधारों से होने वाले लाभों से की जा सकती है?

आर्थिक लाभ को हमेशा वोटों में नहीं बदला जा सकता, खासकर नए मध्यवर्ग के मामले में. रणनीतिक बदलाव से होने वाले लाभ ठोस रूप में कम ही नज़र आते हैं. चुनावों के लिए तो उनका कोई अर्थ नहीं होता, बशर्ते आप उनका इस्तेमाल तमाम देशों की राजधानियों में अपने नेता की एक दमदार छवि पेश करने के लिए न कर रहे हों. मनमोहन सिंह ऐसे नेता बनने के लिए नहीं बने थे। आलोचकों ने कहा कि उस संधि से कितने भी गीगावाट में परमाणु बिजली नहीं मिलने वाली. हमारा तर्क यह था कि यह संधि परमाणु बिजली के लिए नहीं है. इसका मकसद शीतयुद्ध के बाद के दौर में भारत को रणनीतिक दृष्टि से अमेरिका तथा पश्चिमी खेमे के मित्र तथा साझीदार के रूप में स्थापित करना है. इतिहास की धारा को इसी तरह बदला गया. उस संधि के कट्टर विरोधी मणि शंकर अय्यर ने बाद में मुझसे कहा कि ÷कम-से-कम आपने ईमानदारी और साफगोई से बताया कि यह संधि क्या है और क्या नहीं है. यह परमाणु बिजली के लिए नहीं है बल्कि रणनीतिक बदलाव के लिए है और मैं इसका विरोध करता हूं।

मोदी की भाजपा ने इस छड़ी को पकड़ा और दौड़ पड़ी, लेकिन लालकृष्ण आडवाणी इस संधि के खिलाफ थे. वे कितने खिलाफ थे यह जानने के लिए मेरे टीवी शो 'वॉक द टॉक' की 2008 की उस कड़ी को देखिए जिसमें आडवाणी ने मुझे इंटरव्यू दिया था. वह मौका उनके संस्मरणों की किताब के विमोचन का था. उन्होंने मुझ पर तंज़ कसते हुए कहा था कि आप तो उस संधि के कांग्रेस पार्टी से भी ज्यादा बड़े समर्थक हैं. उनकी भाजपा ने घोषित कर दिया था कि इसके साथ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता समाप्त हो गई और उसने कांग्रेस को हराने के लिए संसद में उसके विश्वास मत के खिलाफ वोट देने में वामपंथी खेमे तक का साथ दिया।उसके बाद क्या हुआ, यह हम सब जानते हैं. मैं केवल उन दो बातों का ज़िक्र करूंगा, जो मनमोहन सिंह ने उस संधि का बचाव करते हुए कही थी. एक तो उन्होंने अपने स्वभाव के विपरीत आडवाणी पर मज़ाक करते हुए कहा था कि उन्होंने इस संधि को लेकर मतदान इसलिए करवाया क्योंकि उनके ज्योतिषी ने उन्हें कहा था कि वे अगले प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। दूसरे, उन्होंने सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के दसम ग्रंथ की ये अमर पंक्तियां पढ़कर सुनाई थीं- 'देह शिवा बर मोहे ईहे, शुभ कर्मन ते कभुं टरूं, डरौं अरि सौं जब जाय लड़ौं, निश्चय कर अपनी जीत करौं' यह एक शानदार, प्रेरक दोहा है. पंजाब के भटिंडा के जिस स्कूल में मैं छठी क्लास का छात्र था उसमें यह दोहा प्रार्थना के रूप में गाया जाता था. गुरु नानक की 552वीं जयंती पर अपने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी दोहे को दोहराया था. दसवें गुरु के इसी दोहे का प्रयोग एक जोखिम भरे सुधार को आगे बढ़ाने के लिए किया गया और एक सुधार को वापस लेने के लिए भी किया गया. एक तरह से यह एक आध्यात्मिक मामला भी है और एक संयोग भी और यह भारत में सुधार करने वालों के सामने जो चुनौती है तथा उसका जो एकाकीपन है उसको भी रेखांकित करता है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

संघ की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हैं भागवत

■ संतोष पाठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया जिन्हें आमतौर पर सरसंघचालक के रूप में संबोधित किया जाता है,मोहन भागवत क्या धर्मनिरपेक्षता के फेर में फंस गए हैं ? क्या आरएसएस के मुखिया संघ की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाने के मिशन में जुटे हुए हैं ? यह सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि मोहन भागवत लगातार और बार-बार मंदिर-मस्जिद को लेकर बयान दे रहे हैं। राम मंदिर आंदोलन को पूरी तरह से समर्थन देने वाला वो संगठन (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) जिसने अयोध्या में राम मंदिर के आंदोलन को घर घर का आंदोलन बनाने के लिए अपने अनुषांगिक संगठन विश्व हिंदू परिषद को पूरी ताकत से मैदान में उतार दिया था और अपने राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी को इसे देश की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बनाने में भरपूर मदद की थी। उसी संघ के मुखिया, सरसंघचालक मोहन भागवत आज कह रहे हैं कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर को तलाशने की मुहिम बंद होनी चाहिए। कुछ नेता मंदिर-मस्जिद का मसला उठा कर हिंदुओं का बड़ा नेता बनना चाहते हैं। संघ प्रमुख के इस तरह के कई बयान पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियां बनते नजर आ रहे हैं।

यही वजह है कि अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या मोहन भागवत संघ की छवि धर्मनिरपेक्ष बनाने के अभियान में जुटे हुए हैं ? क्या संघ प्रमुख यानी सरसंघचालक का पद छोड़ने से पहले मोहन भागवत संघ को एक ऐसी संस्था का स्वरूप देना चाहते हैं, जिसे हिंदुओं के साथ-साथ भारत में रहने वाला हर मुसलमान और ईसाई भी अपना संगठन माने

कुछ लोगों के लिए मोहन भागवत का यह स्टैंड जरूर अनोखा और नया होगा ? भाजपा से पिछले कुछ वर्षों के दौरान जुड़े नए लोग खासतौर से सोशल मीडिया पर सक्रिय भाजपा के नए कैडर के लोग इसे लेकर मोहन भागवत की आलोचना करते भी नजर आने लगे हैं।

कुछ लोगों के लिए मोहन भागवत का यह स्टैंड जरूर अनोखा और नया होगा? भाजपा से पिछले कुछ वर्षों के दौरान जुड़े नए लोग खासतौर से सोशल मीडिया पर सक्रिय भाजपा के नए कैडर के लोग इसे लेकर मोहन भागवत की आलोचना करते भी नजर आने लगे हैं। हालांकि संघ की राजनीति और कार्यकलाप को लंबे समय से देखने वाले समझदार विश्लेषक यह बात अच्छी तरह से समझ रहे हैं कि संघ के अंदर आखिर चल क्या रहा है ? वे इस बात को भी बखूबी समझ रहे हैं कि यह कोई पहला मौका नहीं है,जब संघ अपनी छवि को बदलने का प्रयास कर रहा है।

दरअसल, 90 के दशक में लालकृष्ण आडवाणी के पीछे होने और अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर स्वीकार्यता बढ़ने के साथ ही संघ के अंदर के एक बड़े खेमे को यह समझ आ गया था कि भारत में अगर भाजपा को कांग्रेस की तरह लंबे समय तक शासन करना है तो उसे सभी धर्मों को साथ लेकर चलना ही होगा। संघ के चौथे सरसंघचालक राजेन्द्र सिंह, जो रज्जू भैया के नाम से प्रसिद्ध हैं के कार्यकाल में ही संघ के अंदर बदलाव को लेकर विचार विमर्श शुरू हो गया था। हालांकि इसे अमलीजामा पहनाया संघ के पांचवे सरसंघचालक केएस सुदर्शन ने। केएस सुदर्शन ने अपने कार्यकाल में संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में वर्ष 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का गठन किया। इस मंच को देश के मुस्लिम समाज को संघ के साथ जोड़ने का टास्क सौंपा गया। इंद्रेश कुमार पिछले 22 वर्षों से देशभर में घूम-घूमकर मुस्लिम समाज को साधने के मिशन में जुटे हुए हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इंद्रेश कुमार को बहुत ज्यादा कामयाबी नहीं मिल पाने की वजह से अब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयं ही मैदान में उतरने का फैसला कर लिया है। वर्ष 2009 में संघ की कमान संभालने वाले मोहन भागवत को अब यह लगने लगा है कि संघ की छवि को बदलने का अनुकूल समय आ चुका है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है। काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को लेकर भी अब मुस्लिम समुदाय के अंदर उस तरह का हठ नजर नहीं आ रहा है, जैसा कि एक जमाने में अयोध्या को लेकर नजर आया करता था।

यही वजह है कि संघ प्रमुख लगातार इस तरह का बयान दे रहे हैं लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि भाजपा के साथ जुड़े नए लोगों को यह समझ नहीं आ पा रहा है।

ऐसे में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को दो मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है। पहली लड़ाई तो भाजपा के उन लोगों, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया के पोस्ट बहादुरों से लड़ना पड़ रहा है जो मंदिर के एकसूत्री एजेंडे के कारण ही भाजपा से जुड़े थे । वहीं आने वाले दिनों में संघ प्रमुख और संघ के स्वयंसेवकों को दूसरी लड़ाई, देश के उन करोडों हिंदुओं से भी लड़नी पड़ेगी,जो संघ के मुस्लिम और मस्जिद राग को हजम नहीं कर पा रहे हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

बैर का अन्त मृत्यु के साथ ही होता है।
- बाल्मीकि

आज का इतिहास

- 2012 - पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले में 19 की मौत।
- 2008 - सूर्यशेख गांगुली ने 46वीं राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप का ख़िताब जीता।
- 2007 - बेनजीर भुट्टो के पुत्र बिलावल को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का चेयरमैन चुना गया।
- 2006 - इराक के पूर्व कथित तानाशाह सद्दाम हुसैन को फ़ाँसी दी गई।
- 2003 - आस्ट्रेलिया ने भारत से मेलबर्न टेस्ट 9 विकेट से जीता।
- 2002 - आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड से चौथा एशेज टेस्ट जीता।
- 2001 - लश्कर-ए-तोइबा का संस्थापक प्रमुख हफ़ीज मोहम्मद पाकिस्तान में गिरफ़्तार; महमूद अजहर जेल भेजे गए।
- 2000 - जनरल उमर-इल बशील दोबारा सूडान के राष्ट्रपति चुने गये, कोलंबिया विश्व का सबसे हिंसक एवं ख़तरनाक देश घोषित।
- 1996 - ग्वाटेमाला में गत 36 वर्षों से चला आ रहा गृहयुद्ध समाप्त।
- 1979 - पश्चिमी अफ्रीकी देश टोगो ने संविधान अंगीकार किया।
- 1975 - अफ्रीकी देश मेडागास्कर में संविधान प्रभावी हुआ।
- 1949 - भारत ने चीन को मान्यता दी।
- 1943 - स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में भारत की आजादी का झंडा लहराया।

निशाना

आ गई वो बेला !

-कृष्णेन्द्र राय

हैं सारे सतर्क ।
भर रहे ललकार ।।
देखते हैं कितना ।
हो पाता उद्धार ।।
आ गई वो बेला ।
हुआ जिसका इंतज़ार ।।
मन ही मन पहनने को ।
हैं आतुर अब हार ।।
भले हो जग हंसाई ।
चलते हर पल चाल ।।
हैं लगते तैयार ।
करने को बवाल ।।
पर फैसला जनता का ।
क्यों नहीं स्वीकार ।।
पर लगता है जल्द ही ।
होंगे सब फरार ।।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग धनगौर ग्राम के पास हुआ हादसा

दो मोटरसाइकिलों में आमने-सामने की भिड़ंत चार लोग घायल, दो गंभीर जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वाहनों की तेज रफ्तार हादसों की वजह बन रही है। तेंदूखेड़ा ब्लॉक में हर दिन चारों ओर सड़क हादसे हो रहे हैं, फिर भी लोगों के वाहनों की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। साथ ही अंधे मोड़ों पर भी वाहनों को कंट्रोल नहीं किया जा रहा है।

ऐसी ही कुछ मामला रविवार को देखने को मिला। दो बाइकों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत होने से चार लोगों को घायल अवस्था में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया है जहां से दो लोगों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार नगर से 6 किलोमीटर दूर तारादेही मार्ग पर धनगौर बांदीपुरा ग्रामों के बीच शाम 6 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने जोरदार भिड़त हो गई जिसमें 3 पुरूष एवं 1 महिला घायल हो गई घायलों में संदीप पिता राजेश वंशकार 26, रामचरण पिता सुक्कू वंशकार 43 निवासी धनगौर जो तेंदूखेड़ा से अपने घर धनगौर जा रहे थे अपनी ससुराल सिमरिया से वापिस तेंदूखेड़ा लौट रहे नरेंद्र पिता विशाल ठाकुर 24 निवासी वार्ड क्रंमाक 5, स्वाति पति नरेंद्र उम्र 22 साथ में 2 माह का बच्चा वापिस आते समय दोनों मोटरसाइकिलों की भिड़त हो गई हादसे में संदीप वंशकार को मुंह एवं पैर फैक्चर साथ ही नरेंद्र ठाकुर का पैर फैक्चर एवं अन्य चोटों के चलते जबलपुर मेडीकल कालेज रेफर किया गया हैं बाकी घायलों का इलाज नगर के स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा हैं हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जहां पुलिस ने मामला कायम कर जांच में लिया है

नर्मदा की सफाई का 236वां सप्ताह

परमहंस घाट पर चलाया सफाई अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदा घाटों को स्वच्छ बनाए रखने को संकल्पित जय हो समिति के नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान का 236वां सप्ताह परमहंस घाट पर संपन्न हुआ। यह अभियान नर्मदा नदी के घाटों की स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। 236 सप्ताह यानी करीब 4.5 साल से लगातार यह अभियान चल रहा है, जो समिति के सदस्यों और स्थानीय लोगों की दृढ़ता और नर्मदा मैया के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। इस अभियान के माध्यम से नर्मदा नदी के घाटों को प्लास्टिक, कचरे और अन्य प्रदूषकों से मुक्त रखने का कार्य किया जाता है। यह अभियान अन्य संगठनों और समितियों के लिए प्रेरणादायक है, जिससे देशभर में नदियों और जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। इस अवसर पर अंकित सागर, आशीष सोनी, अश्वनी दायमा, सागर पटैल, राजेश वर्मा, प्रथम बावरिया, सौरभ वर्मा, विकास गुप्ता, संजू प्रजापति, जतिन यादव, अनुराग वर्मा, पंकज मेहरा, कौशिक बावरिया, राजा यादव, विशाल बावरिया उपस्थित रहे।

साढ़े 4 साल से लगातार जारी है अभियान

पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रविवार को नगर कांग्रेस कमेटी ने आईटीआई स्थित एक निजी गार्डन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए शोक सभा आयोजित की ।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि हमेशा आसमानी रंग की पगड़ी पहनने वाले मनमोहन सिंह ने 22 मई 2004 को भारत के 14 वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। उन्हें एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर कहा गया, लेकिन मनमोहन सिंह ने न सिर्फ 5 साल का कार्यकाल पूरा किया, बल्कि अगली बार भी सरकार में वापसी की। मंझे हुए अर्थशास्त्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह जब राजनेता बने, तो उनकी शख्सियत के कई अनदेखे पहलू सामने आए। कांग्रेस संगठन मंत्री मधुसूदन यादव ने कहा कि लोकसभा में वोट के बदले नोट विषय पर चर्चा हो रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह विपक्ष पर सवालों पर जबाव दे रहे थे। इस दौरान नेता विपक्ष सुषमा स्वराज ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था- तू इधर उधर की न बात कर, ये बता के कारवां क्यों लुटा; मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है। इसके जवाब में मनमोहन सिंह ने कहा था- 'माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख, मेरा इंतजार तो देख। 'मनमोहन सिंह के इस जवाब पर सत्ता पक्ष ने काफी देर तक मेज थपथपाई थी, वहीं विपक्ष खामोश बैठा। श्रद्धांजलि सभा में नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष अनोखे लाल , पार्षद मीना वर्मा, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष अजय सैनी, प्रदेश प्रवक्ता रोहन जैन, फैजान उल हक, दीपक सिसोदिया, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

चावल ट्रक में लूट या फिर लुटवाया गया?

अनियंत्रित होकर ट्रक सड़क छोड़ खाई में घुसा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा पाटन सीमा क्षेत्र में सड़क हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं जबलपुर मार्ग पर आज सुबह ज़ब राहगीर पहुँचे तो उनको एक ट्रक घटिया की मोड़ पर सड़क किनारे छतिग्रस्त हालत में घुसा मिला उस समय राहगीरों ने समझा की ट्रक अंधे मोड़ पर अनियंत्रित होकर घुस गया होगा मगर दोपहर के बाद पता चला ट्रक का कुछ लुटेरों पीछा कर रहे थे उनसे बचाने के लिए चालक वाहन क़ो तेज रफ्तार मे भगा रहा था उसी दौरान यह घटना हुई है

घटना स्थल पाटन थाना का जंगली क्षेत्र से जो दमोह जिले की सीमा से एक किलोमीटर आगे है ट्रक दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग से चावल लेकर जबलपुर तरफ आ रहा था भरे ट्रक को बीच रास्ते में लुटेरों ने चालक परिचालक के साथ मारपीट कर लूट लिया चालक-परिचालक ने पुलिस को बताया कि जंगल में घाट उतरते समय कुछ नकाबपोश लोगों ने वाहन रोककर चावल से भरी बोरियां उतार लीं। उसी दौरान लुटेरों से बचकर किसी तरह वाहन लेकर भागे, तो घबराहट में ट्रक सड़क के नीचे उतरकर खाई में घुस गया।

सड़क पर लूट की सूचना मिलते ही एसडीओपी पाटन लोकेश जाटव, थाना प्रभारी नवल कुमार सिंह आर्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को पूरा मामला संदिग्ध लग रहा है एसडीओपी लोकेश जाटव ने बताया ट्रक का तिरपाल खुला हुआ है। चालक ने पुलिस को बताया कि रात में वह चावल से भरा ट्रक लेकर जबलपुर आ रहा था, तभी बगदरी की घाट पास कुछ लोगों ने ट्रक रोककर लाखों रुपए का चावल की बोरियां लूट लीं

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो ट्रक की रखबारी के लिए वाहन में बैठा परिचालक मौके पर नहीं मिला। पुलिस को संदेह है कि चलते वाहन से आधा ट्रक बोरियां निकालकर ले जाना बड़ा आश्चर्यजनक है पुलिस मामले की विस्तृत जांच-पड़ताल कर रही है। सड़क किनारे फसे ट्रक को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला जा रहा है। पुलिस ने वाहन मालिक को थाना बुलाया ।

इस घटना के संबंध में पाटन थाना प्रभारी नबल कुमार आर्य ने बताया ट्रक करनाल से चावल भरकर आंध्रप्रदेश जा रहा था।

चालक का कहना है लुटेरे चावल की बोरी उतार रहे थे ट्रक भागने के चक्कर मे यह घटना हुई है मामला दर्ज किया गया अभी तक कोई भरे माल की बिल्टी नहीं मिली है जांच चल रही है।

प्राचार्य ने पिताजी को बताया आदर्श शिक्षक, लगाई नेम प्लेट, पं. चंद्र मोहन शर्मा थे आदर्श शिक्षक

सिरोंज। आदर्श शिक्षक के रूप में स्वर्गीय पंडित चंद्र मोहन शर्मा जाने जाते हैं इनका नाम सभी लेते हैं। इनको शिक्षक और विकासखंड के लोग बरसों से मानते आ रहे हैं इनके द्वारा अध्ययन कराए गए छात्र आज बड़ी-बड़ी पोस्टों पर है देश की और प्रदेश की सेवा कर रहे हैं। सिरोंज का रोशन करने वाले स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा मंत्री बने उनके पुत्र थे इनको इन्होंने पढ़ाया भी इसके अलावा विधायक उमाकांत शर्मा को भी इन्होंने पढ़ाया है यह भी उनके पुत्र हैं शर्मा जी स्कूल में समय से पहले पहुंचकर छात्रों को पढ़ाने का काम करते थे। समय हो जाने के बाद दूसरी गुरु के नाते शिष्यों को अतिरिक्त समय भी देते थे इनकी मिसाइल आज भी दी जाती है। उनके नाम से ही आदर्श शिक्षक का सम्मान भी अच्छा काम करने वाले शिक्षकों को दिया जाता है। वही कन्या शाला स्कूल के प्रभारी प्रचार्या अपने पिताजी को आदर्श शिक्षक बताते हुए उनके नाम की नेम प्लेट स्कूल के कक्ष में लगा रखी हैं। इस वजह से आदर्श शिक्षक को लेकर चर्चाएं प्रारंभ हो गई है। शिक्षक गजेंद्र राजपूत के साथ अधिकांश शिक्षकों का कहना है कि क्षेत्र से आदर्श शिक्षक पूजनीय गुरु स्वर्गीय चंद्रमोहन शर्मा थे उनका काम आदर्श शिक्षक के रूप में रहा है हमेशा निस्वार्थ भाव से समय से पहले स्कूल पहुंचकर गेट भी खोल लेते थे समय पूरा होने के बाद यह ही स्कूल से आते थे हमेशा अच्छी शिक्षा देने की लालसा इनके अंदर होती थी भाई इस तरह से आदर्श शिक्षक की नेम प्लेट लगाकर गलत कार्य किया जा रहा है यदि नेम प्लेट लगाकर ऐसा किया है तो यह गलत है इनको तत्काल इसको हटा लेना चाहिए हमारे एक ही आदर्श शिक्षक थे स्वर्गीय चंद्र मोहन शर्मा जी ही हमेशा आदर्श शिक्षक रहेंगे उन जैसा बन पाना संभव ही नहीं है। वही देखना है कि कन्या शाला स्कूल के कक्षा में लगी आदर्श शिक्षक की नेम प्लेट उसको हटाने का काम होगा या नहीं। स्कूल परिसर में डांस करने का वीडियो पहले ही वायरल हो रहा है ।

फार्मर रजिस्ट्री उपरांत शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्ति सुगमता से

सिरोंज। मध्य प्रदेश राज्य में किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में फार्मर रजिस्ट्री की शुरुआत की गई है। इस प्रणाली के तहत, प्रत्येक किसान का एक विशिष्ट आईडी (फार्मर आईडी) बनाया जाएगा।

फार्मर रजिस्ट्री – प्रत्येक किसान का विशिष्ट फार्मर आईडी। किसान की पहचान और जानकारी को सुरक्षित रखना।स्थानीय युवा (सहायक) के रूप में नियुक्त किए गए जो मुख्यतः एप के माध्यम से आवश्यक जानकारी का संग्रहण एवं फार्मर आईडी बनाने के कार्य को संपादित कराएंगे। सरकारी योजनाओं का लाभ हेतु आवश्यक फार्मर आईडी होने पर शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सकेगा वहीं दिसंबर माह से पीएम किसान योजना का लाभ मात्र फार्मर आई डी के माध्यम से ही किसानों को मिल सकेगा। कृषि नीतियों के क्रियान्वयन तहत किसानों की पहचान सुनिश्चित करना तथा नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

फार्मर रजिस्ट्री कैसे होगी, कौन करेगा – राज्य में किसानों के फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण हेतु 4 प्रकार की सुविधा उपलब्ध है तदनुसार पटवारी के माध्यम से वेबसाइट व सारा एप में उपलब्ध आइकॉन से तथा स्थानीय युवा (सहायक) के माध्यम से मोबाइल एप के माध्यम से संपादित कर सकेंगे इसके अलावा सीएससी के माध्यम से और किसान स्वयं वेबसाइट अथवा मोबाइल एप के माध्यम से कर सकेंगे।

विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

इटारसी, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम रविवार को विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ सुना। तो वहीं खुद नगर पालिका अध्यक्ष ने बूथ क्रमांक 190 पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम देखा व सुना। नगर पालिका अध्यक्ष के कार्यालय में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राहुल चौरे व बूथ क्रमांक 211 के कार्यकर्ता व कार्यक्रम संयोजक नितिन व्यास, पार्षद जिम्मी कैथवास, टीटू सलूजा, शैलेन्द्र दुबे, गोपाल शर्मा, सौरभ मेहरा, प्रभारी शुभम ठाकुर, सुधीर गुप्ता, गोपी सिंह, संजय चौधरी व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। तो वहीं बूथ क्रमांक 190 पर बूथ 191 के कार्यकर्ता राजेश सोनी, आशीष मालवीय, संतोष मालवीय, गौरव बड़कुर, विचित्र सिंह, दिलीप पटेल, बूथ अध्यक्ष 190 ऋषभ सिंह चौहान, बूथ अध्यक्ष 191 श्रीयंक तिवारी, मन की बात प्रमुख बूथ क्रमांक 190 वरुण सिंह राजपूत, मनोज चौरे, अमन कुमार, प्रतीक मालवीय, सत्यपाल सिंह, सतीश मालवीय मौजूद थे।

मेट्रो एंकर | जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब विक्रय, निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही जारी

आबकारी विभाग की होटल -ढाबों पर जाँच पड़ताल, अवैध शराब जप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब विक्रय निर्माण संग्रहण परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में 31 दिसंबर दृष्टिगत रखते हुए होटल ढाबों पर अवैध रूप मदिरापान एवं शराब विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम 'अ' आबकारी टीम द्वारा नेशनल हाईवे 69 इटारसी रोड स्थित यादव ढाबा, नंदन ढाबा, बाबा दा ढाबा पर आगामी न्यू ईयर को देखते हुए दबिश दी गई ढाबों तलाशी में 37 पाव देशी शराब एवं 15 पाव व्हिस्की शराब जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34.1(क) के तहत 03 प्रकरण पंजीकृत कर विवेचना में लिए गए।

वृत नर्मदापुरम बी क्षेत्र में माखन नगर रोड पर राजपूत ढाबा के संचालक सुजीत सिंह राजपूत जासलपुर से 4 पाव देशी मदिरा प्लेन शराबजप्त ।

इसी तरह काका दा ढाबा माखन नगर रोड के संचालक जय चौरे पिता सेवक राम चौरे निमसाडिया माखननगर रोड से 5 पाव देशी मदिरा प्लेन जप्त कर दोनों होटलों संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) के तहत प्रकरण बनाया गया। सिवनी मालवा क्षेत्र में पगड़ाल देती हटनापुर में संचालित ढाबों पर अवैध रूप से शराब पिलाने ओर विक्रय के विरुद्ध कार्यवाही में 7.2 बल्क लीटर देशी शराब प्लेन जप्त कर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 4 प्रकरण कायम किये। पिपरिया क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही 35 लीटर कच्ची हाथभट्टी शराब एवं 470 किलो ग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की।

सराहनीय योगदान

उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक सुयश फौजदार , निलेश पॉवर वसुदेवाचार्य त्रिपाठी, हेमंत चौकसे, आबकारी आरक्षक धर्मेंद्र बारंगे, कैलाश अखंडे , राजेश गौर, मदन रघुवंशी , गणपति बोबडे , धर्मेंद्र बारंगे, भावना यादव, योगेश महोबिया, भावना यादव , नगर सैनिक मोहन यादव का सराहनीय योगदान रहा ।

जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर द्वारा आबकारी कार्यपालिक स्टाफ को 31 दिसंबर के संदर्भ में विशेष निर्देश दिए गए हैं कि जिले संचालित होटल ढाबों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

मुख्यमंत्री के आदेश पर क्यों मौन साधे बैठा है जिला स्वास्थ्य विभाग?

झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही के नाम पर *नोटिस-नोटिस* खेल रहा विभाग

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा का स्वास्थ्य विभाग यह बो अमला है जिसने देखते ही देखते स्वास्थ्य सुविधाओं से खिलवाड़ करने बाली एक लंबी फौज खड़ी कर डाली। इस फौज में एक संगठन होता है और उस संगठन का अध्यक्ष भी फर्जीबाड़े से ग्रसित होता है। लिहाजा स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ करना और जब बात सर से ऊपर निकल जाए तो उन्ही शटरों को बंद कर भाग खड़ा होता है यह सरदार।

दरअसल विगत दिनों मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक आदेश जारी किया था, नियत थी आम जन मानस को स्वास्थ्य की उत्तम सुविधाएं मिल सके और लोग फर्जी डॉक्टर के द्वारा की जा रही लापरवाहीयों से बच सकें। इस फर्जीवाड़े को रोकने के लिए जिले के कलेक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार लोगों को तकीत किया गया थ। लेकिन मोहन सरकार के जन कल्याणकारी आदेश को लटेरी बीएमओ अभिषेक उपाध्याय ने मानो कचरे की टोकरी में फेंक डाला हो।

सिरोंज-लटेरी स्वास्थ्य विभाग की मंशा के अनुरूप नगर में पग - पग पर झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। कोई अपना क्लिनिक संचालित कर रहा है तो कोई इन्दोर पॉली क्लीनिक तो मल्टी स्पेशलिस्ट बनकर शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है। इनके द्वारा धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जाकर जमकर मरीजो से बसूली की जा रही है। इन तमाम कारगुजारियों के दौरान लटेरी बीएमओ द्वारा नोटिस नोटिस का खेल खेला जा रहा है।

शहरभर में दर्जनों झोलाछाप डॉ. की भरमार, प्रशासनिक अमला मौन

सिरोंज-लटेरी नगर में कम से कम 80 से अधिक डॉक्टर हैं जिनके पास मेडिकल प्रैक्टिस के लिए किसी तरह की डिग्री और रजिस्ट्रेशन नहीं है। इनमें से कई लोगों के पास बैचलर ऑफ फार्मेसी की डिग्री है इसके सहारे उन्होंने अपना मेडिकल स्टोर खोला है पास ही खुद की क्लीनिक भी संचालित कर रहे हैं। इनमें कई कई ऐसे डॉ भी शामिल है जिनके पास किसी तरह की डिग्री तक नहीं है इसके बाद भी उन्होंने खुद के क्लीनिक खोल रखे हैं। नगर में कई ऐसे डॉ भी है जिनके पास आयुर्वेदिक होम्योपैथी या यूनानी की डिग्री है मगर वे एमबीबीएस डॉक्टर की तरह इलाज कर रहे हैं।

महिलाओं-बच्चों के स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो : कलेक्टर

विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित कर विभाग के जिलाधिकारियों सहित विभागीय अन्य अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देशित किया है कि विदिशा जिले में महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यानगत रखते हुए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। समीक्षा बैठक में सापेक्षित परिणाम परलिक्षित नहीं होने पर उन्होंने लटेरी, सिरोंज बीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने तथा नटेरन के सीडीपीओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में एक भी गर्भवती महिला की किन्ही भी कारणो से डिलेवरी घर अथवा रास्ते में नहीं होना चाहिए। गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी किस माह में होना संभावित है कि सूची संधारित कर उनसे महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के ग्रामीण अमला सतत सम्पर्क में रहे और उनके घर वालो को आवश्यक टेलीफोन नम्बर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं ताकि लेबर पेन होने पर अविलम्ब वाहन की सुविधा उपलब्ध हो। कलेक्टर श्री सिंह ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक एक डिलेवरी घर पर होने एवं रास्ते अथवा लेबर पेन के दौरान 13 महिलाओं की मृत्यु हो जाने पर कठोर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित क्षेत्रों के ग्राम स्तरीय अमले के साथ साथ वरिष्ठ व बीएमओ पर करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित विभाग के अन्य अधिकारयों से कहा है कि वे स्वंय स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन पर नजर रखें हर रोज की अद्यतन प्रगति का डाटा जिला कार्यालय को हार्ड कॉपी में तथा कलेक्टर को वाटस अप के माध्यम से संप्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे। जिले के दूरस्थ क्षेत्रो में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय रहवासियों को मिलने के संबंध में नवाचार कर हम उनके विश्वासों पर खरे उतरें।

आखिर कौन होते हैं झोलाछाप डॉक्टर समझिये

झोलाछाप डॉक्टर वास्तव में उनको कहा जाता है जिन्होंने ना कभी चिकित्सा शास्त्र न पढ़े ना एमबीबीएस की डिग्री ली। कुछ लोग जो चिकित्सकों के यहां काम किए होते हैं अथवा इधर उधर से चिकित्सा से संबंधित थोड़ी बहुत जानकारी एकत्र कर लेते हैं वे नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा का व्यवसाय करने लगते हैं इसलिए इन्हें झोलाछाप डॉक्टर कहा जाने लगा।

खबर प्रकाशन के बाद नोटिस का खेल खेलते बीएमओ

समाचार पत्रों द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों की खबरों का प्रकाशन बार-बार किया जाता रहा है। खबर प्रकाशित होने के कई दिनों बाद स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस-नोटिस का खेल खेलने शुरू कर दिया। कई दिन फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों को चिन्हित करने में निकाल दिए लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश का पालन मुख्यमंत्री की मंशानुरूप नही किया गया। इससे यह विदित है कि सरकारी विभागों में नोटिस का खेल महज उगाही के लिए खेला जाता है। मेडिकल ऑफिसर अपनी आंखों पर पट्टी बांधे बैठे हुए हैं तांकि किसी गरीब की जान से खिलवाड़ हो सके।

इनका कहना है

झोलाछाप डॉक्टरों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है हम ऐसे झोलाछाप डॉक्टर्स को चिन्हित कर जल्द बड़ी कार्यवाही करेंगे। आप भी ऐसे कुछ झोलाछाप डॉक्टरों के नाम हमे भेजे जल्द कार्यवाही की जाएगी।

-रोशन सिंह, कलेक्टर विदिशा

जनकल्याण अभियान : 706 शिविरों में 20617 आवेदन पत्र आए

सिरोंज। *विदिशा जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। साथ ही आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। जिले के सभी कि खण्डों में शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के जिला नोडल अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार जिले में अब तक 706 शिविरों का आयोजन हुआ है, इन शिविरों में 20 हजार 617 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इन में से 18 हजार 876 आवेदनों का निराकरण कर आवेदकों को लाभान्वित किया जा चुका है। जबकि विभिन्न कारणों से 83 आवेदन अमान्य किए गए हैं।*

जिले में 114 किसानों से 698 मैटिक टन धान की गई खरीदी

सिरोंज। *जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि जिले में 2 धान खरीदी केन्द्रों के माध्यम से 114 किसानों से 698 मैट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। जिले में पंजीकृत किसानों की संख्या 882 है।जिले में धान विक्रय हेतु 164 किसानों ने स्लॉट की बुकिंग कराई है। परिवहन की मात्रा 691.32 मैट्रिक टन अर्थात् उपार्जन का 99 प्रतिशत परिवहन किया जा चुका है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने भुगतान के संबंध में बताया कि जिले में भुगतान योग्य राशि 1.60 करोड़ में से 82 किसानों को 1.23 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।*

बादलों की लुका छुपी जारी

सिरोंज। *पिछले एक सप्ताह से आसमान पर बादलों ने डेरा जमा रखा है 2 दिन पहले हल्की बारिश भी हुई आसमान पर बादलों को देखकर किसान अच्छी बारिश होने की उम्मीद कर रहे हैं। कुछ ग्रामों में हल्की बारिश होने के बाद किसान फसलों में यूरिया डालने का काम कर रहा है ।इस वजह से इन दिनों नों यूरिया खाद की मांग तेजी से बढ़ गई हैं। बादलों के चलते ठंड का दौरा पूरी तरह से गायब हो गया है। गुमसुम मौसम होने से बाजार की चहल-पहल थी काम हो गई है।*

भीम आर्मी 31 को प्रदर्शन

सिरोंज। बाबा साहब डॉ बीआर अंबेडकर के लिए अपमानजनक शब्दों के प्रयोग किए जाने के विरोध में 31दिसंबर को भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी की और से प्रदर्शन का ऐलान किया गया हैं! भाजपा नेता गृहमंत्री अमित शाह द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी का विरोध करते हुए में प्रदर्शन करेंगे ! भीम आर्मी आईटी सेल प्रभारी निर्मल प्रभाकर ने बताया कि कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने भी बाबा साहब का अनादर किया है। दोनों नेताओं पर कर्रवाई की मांग की जाएगी।

पुलिस ने वाहन चोर को किया गिरफ्तार

पुलिस को ग्यारह दो पहिया वाहन पकड़ने में मिली सफलता

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

फरियादी जितेन्द्र वर्मा निवासी सिरोंज रिपोर्ट किया कि उसकी मोटर साईकिल क्रमांक MP 37MP 3937 मंडी गेट के पास खडी की थी । किसी अज्ञात चोर द्वारा उसकी मोटर साईकिल चोरी कर ली है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सिरोंज पर अपराध क्रमांक 609/2024 धारा 303(3) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना की गई । विवेचना के दौरान रोहित काशवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत कुमार के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस उमेश तिवारी के मार्गदर्शन थाना प्रभारी सिरोंज संदीप कुमार पवार के नेतृत्व में उनि. राकेश रघुवंशी व हमराह बल के साथ आरोपी प्रताप सिंह मीणा पुत्र नन्नूलाल मीणा उम्र 38 साल निवासी ग्राम खेजडा वारमा थाना जामनेर को गिरफ्तार किया गया। अपराध सदर मे चोरी गई मोटर सायकल के चेसिस नं. MBLHAR055H9D07187 व इजंन नं HA11EPH9D23154 का जप्त किया गया व आरोपी का न्यायालय से पी.आर. प्राप्त कर पुनः पूछताछ की गई । आरोपी द्वारा अपने मेमोरेण्डम में उक्त गाडियों के बारे में जानकारी दी । जिनके चेचिस नंबर व इंजन नंबर इस प्रकार है।

1. हीरो एच एफ डीलक्स चेसिस MBLHAR059J9B22355 इंजन नं. HA11EPJ9B21578
2. हीरो एच एफ डील्कस चेसिस नं. MBLHA7153J9H27295 इंजन नं. HA11EMJ9H27434
3. होन्डा सीडी 110 चेसिस नं. ME4JC677GH8045417 इंजन नं. - JC67E84049975
4. हीरो स्पेलेन्डरप्लस चेसिस नं. MBLHAR088JHB41060 इंजन नं. HA10AGJHBE1826
5. हीरो पेशन प्रो चेसिस नम्बर MBLHA10BSFHF91303 इंजन नं. HA10EVFHF81527
6. हीरो एचएफ डीलक्स चेसिस नं. MBLHAR207JGK00867 इंजन नं.- HA11ENJGK01036
7. हीरो पेशन प्रो जिसका चेसिस नं. व इजन नं. घिसा हुआ है
8. टीवीएस स्टारसिटी प्लस चेसिस नं. MD625AK21L1G04584 इंजन नं. CK2GL1304803
9. हीरो होन्डा स्पेलेन्डर जिसका चेसिस नं. व इजंन नं. घिसा हुआ है
10. होन्डा सीवी 125 चेसिस नं.- ME4JC738EJ7011391 इजंन नं.JC73E72028012 है। उक्त सभी मोटर सायकिलों को चोरी की होने से जिन्हे इस्तगासा क्र 2/24 धारा 35(1-5),106 बी.एन.एस.एस 303(2)बी.एन.एस जप्त किया गया । कुल 11 गाडियां जप्त की गई है। कीमत करीबन 4.5 लाख करीबन है । जप्त मोटर साईकिल भोपाल, राजगढ, शाजापुर, राजस्थान की है। उक्त गाडियों की मालिक की जानकारी प्राप्त की जा रहा है।

मुख्य भूमिका - उनि राकेश रघुवंशी, प्रआर 733 अमित मिश्रा, प्रआर. 198 खुशीलाल दांगी, प्रआर 703 रघुवीर मीना, आर. महेश, आर. शैलेन्द्र आर 445 बाबूलाल, आर. फिरोज खान ।

मामले को दबाने का किया जा रहा प्रयास

इमलानी मोड़ पर सरकारी रास्ते पर आई 3 मंजिला बिल्डिंग

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सरकारी जमीन पर सीमांकन के बाद तीन मंजिला बिल्डिंग के अलावा अतिक्रमण पर मकान बने हुए हैं । उनको तोड़ने से पहले प्रशासन के द्वारा नोटिस देने का खेल खेला जा रहा है। इस वजह से मार्ग का निर्माण कार्य भी एसडीएम के निर्देश पर बंद है । जबकि सीमांकन के बाद सरकारी गोह की जगह में बिल्डिंग मकान आ रहे हैं तो उनको नोटिस देकर तत्काल दस्तावेज लेकर कार्रवाई करके यदि सरकारी रास्ते पर आ रहे हैं तो इनको तोड़ने का काम होना चाहिए इस तरह नोटिस देकर समय देने पर प्रशासन अधिकारियों पर भी सवाल खड़े हो रहे है। 20 दिन से अधिक का समय बीत चुका है इसके बाद भी सरकारी गौहे पर बने अतिक्रमण को तोड़ने काम नहीं किया जा रहा है। एसडीएम के निर्देश पर चार पटवारियों के दल ने सीमांकन किया था उस समय यहां 72 फिट की जगह पर मौके पर 38 फुट के करीबी जगह थी बाकी जगह पर अतिक्रमण में मकान तथा बिल्डिंग पाई गई है। इसके बाद इन सभी अतिक्रमण धारियों की चिंताएं बढ़ गई थी कुछ दिनों बाद किसी एक पटवारी ने इसको नया रूप देने का प्रयास किया जिसकी चर्चाएं भी हो रही है। जिनका अतिक्रमण इनके पास पट्टे है । नोटिस के बाद दिए गए जवाब में पट्टे के दस्तावेज नहीं दिए हैं। रजिस्ट्री और दूसरी तरह से जमीन आना बताया है। सरकारी रिकॉर्ड में 72 फिट गोह है उस पर पट्टे देना शायद उचित नहीं होगा नियम में भी नहीं आता है।

करोड़ों की है सरकारी जगह

सरकारी रास्ते की जगह की चौड़ाई 72 फिट पर वर्तमान में 38 फिट के करीब ही बची हुई है शेष जगह पर मकान और बिल्डिंग बनी हुई है, कई लोगों ने कच्चे पक्के टीन सेट भी बना रखे हैं इस वजह से मार्ग का चौड़ीकरण भी नहीं हो पा रहा है ।इस बात की पोल भी तब खुली जब किसी ने एसडीएम से शिकायती की सड़क चौड़ा करके हमारी जगह को तोड़कर बनाई जा रहा है। इसके उपरांत सीमांकन कराया तो पता चला कि यहां पर सरकारी जगह पर अतिक्रमण करके मकान, बिल्डिंग बनी हुई हैं।

करोड़ की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण होना सामने आने के बाद पहले तो प्रशासन ने नोटिस देने में कई दिन लगा दिए जैसे तैसे नोटिस दिया इसके बाद जिनको नोटिस दिए उन्होंने अपने जवाब भी दे दिए पर नोटिस पर अभी तक निर्णय नहीं लिया गया है इस वजह से अतिक्रमण हटाने का काम नहीं हो पा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अतिक्रमण हटाने की जगह पर मामले को दबाने का काम किया जा रहा है। तभी आगे करवाई नहीं की जा रही है। सांठ-गांठ करके मामले को दबाने का काम जरूर किया जा रहा है ऐसी चर्चाएं भी हो रही है वहीं यदि सरकारी जगह पर मकान और बिल्डिंग नहीं बनीं तो सड़क का काम भी करवाना चाहिए जो बंद है।

इनका कहना है

नोटिस का जवाब सभी ने दे दिया है अध्ययन के बाद निर्णय लिया जाएगा रजिस्ट्री और दूसरे दस्तावेज दिए पट्टे के नहीं हैं।

-संजय चौरसिया तहसीलदार

मेट्रो एंकर बोर्ड पेटर्न के आधार पर परीक्षा का किया गया आयोजन

कक्षा 10वीं एंव 12वीं बोर्ड के 450 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया परीक्षा में भाग

ऐसे टेस्ट से बच्चों में आत्म विश्वास पैदा होता है

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

न्यू ऐरा कोचिंग क्लासेस द्वारा कक्षा 10वीं एंव 12वीं बोर्ड पेटर्न के आधार पर लगभग 80 अंक की परीक्षा सम्पन्न कराई। इस मौके पर उक्त परीक्षा में लगभग 450 छात्र-छात्राओं ने बड-चढकर हिस्सा लिया। इस अवसर पर न्यू ऐरा कोचिंग क्लासेस के संचालक मन्नू ठाकुर ने बताया कि वार्षिक परीक्षा के पूर्व हर वर्ष यह परीक्षा कराई जाती है जिससे बच्चों का मनोबल बढ़ता है और छात्र-छात्राओं को वार्षिक परीक्षा के समय किसी प्रकार की कोई समस्या नही आती है। इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों को बोर्ड परीक्षा कैसे देना है और प्रश्नों के उत्तर किस प्रकार लिखना है यह जानकारिया प्रमुख रूप से छात्रों को बताई जाती है। जिससे वार्षिक परीक्षा के समय छात्रों को किसी प्रकार की कोई चिंता व तनाव नही रहता और छात्र शांत मन से परीक्षा देता है। इस दौरान परीक्षा में शिक्षक विकास विश्वकर्मा,मनीष तिवारी,जमील खान व पूर्व छात्रों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अपेक्षा के चलते मानसिक तनाव में आ जाते है बच्चे - शिक्षक मन्नू ठाकुर ने कहा कि कक्षा 10वीं व 12वीं बोर्ड की तैयारी में विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए पढ़ाई में जुटे हुए हैं। कई बार अनजाने में बच्चों के माता-पिता व अभिभावक अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए बच्चों पर दबाव बनाने लगते हैं। वे अपनी अपेक्षाओं का बोझ उन पर जाने-अनजाने थोपने लगते हैं, जो विद्यार्थियों की सेहत के लिए घातक हो सकता है। हर अभिभावकों की अपेक्षा रहती है कि उनकी संतान परीक्षा अच्छे से अच्छे नंबर लाए। इसी अपेक्षा में वे जाने-अनजाने बच्चों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव और तनाव डाल देते हैं। बच्चे के दिमाग में भी अपने माता-पिता की अपेक्षा पूरी करने के लिए अतिरिक्त मानसिक तनाव आ जाता है। जिसके चलते उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती। परीक्षा परिणाम अपेक्षित नहीं रहने से विद्यार्थियों के मन में निराशा की भावना आ जाती है। कई बार परीक्षा में असफल होने या अभिभावकों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरने पर विद्यार्थी गलत कदम भी उठा लेते हैं। अब समय है कि विद्यार्थी यह अच्छे तरीके से जान लें कि परीक्षाओं को लेकर तैयारी कैसे की जाए। साथ ही अभिभावक भी यह समझें की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के साथ उनका व्यवहार कैसा हो। इससे बच्चे प्रसन्न मन से पढ़ाई करें और उन पर अतिरिक्त मानसिक तनाव न रहे।

वनडे टूर्नामेंट: अगले साल 19 फरवरी से होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में होने की संभावना

ब्रॉडकास्टर्स के आगे झुका पीसीबी, हाइब्रिड मॉडल से होगी चैंपियंस ट्रॉफी

नईदिल्ली, एजेंसी

आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चल रही अनिश्चिता जल्द खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम के मुकाबले किसी और देश में करवाने के लिए राजी हो गया है। हालांकि पीसीबी अभी तक हाइब्रिड मॉडल अपनाने से इंकार करता रहा है, लेकिन ब्रॉडकास्टर्स के दबाव के आगे उसे झुकना पड़ा। इसके बाद अब जल्द ही ना सिर्फ टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी होगा बल्कि भारतीय टीम के मैच कहां आयोजित होंगे, ये विवाद भी खत्म हो जाएगा। गौरतलब है कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब बीसीसीआइ ने सुरक्षा कारणों से टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया था। भारतीय बोर्ड ने आइसीसी

से अपने मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत किसी दूसरे देश में कराने का आग्रह किया था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाइब्रिड मॉडल की संभावना से साफ इंकार कर दिया था, लेकिन अब वो भारत के मैच किसी और देश में कराने पर राजी हो गया है।

बीसीसीआई को नहीं पड़ेगा कोई फर्क

आइसीसी ने पीसीबी को समझाया कि यदि चैंपियंस ट्रॉफी स्थगित होती है या वो इस टूर्नामेंट का बॉयकॉट करता है तो बीसीसीआइ को कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान का होगा, जिसे 29 साल बाद आइसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने का मौका मिल रहा है। आइसीसी ने पीसीबी से कहा कि वे बीसीसीआइ के बारे में नहीं सोचे और दुनिया के अन्य देशों को दिखाए कि वह अच्छा मेजबान है और बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी करने का दमखम रखता है। इससे उसकी साख बढ़ेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल और एक सेमीफाइनल का आयोजन पाकिस्तान नहीं बल्कि यूएई में होगा। यह फैसला इसलिए लिए गया, ताकि यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचे तो फिर विवाद की स्थिति पैदा नहीं हो।

पीसीबी चीफ नकवी ने की भारत से गुजारिश

हालांकि पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने एक बार फिर भारतीय बोर्ड से गुजारिश की है कि खेल और राजनीति को अलग रखें। मुझे उम्मीद है कि बीसीसीआइ इस बारे में सोचेगा। नकवी ने कहा, हम पूरा भरोसा दिलाते हैं कि भारत की पाकिस्तान में खेलने को लेकर जो भी चिंताए हैं, हम उन्हें दूर करेंगे। आइसीसी को भी इस बारे में सोच-समझकर सबके हित में कोई निर्णय लेना होगा।

साउथ अफ्रीका ने 2 विकेट से जीता सेंचुरियन टेस्ट, फाइनल में पहुंचा

99 पर 8 विकेट गिराने के बाद भी हार गया पाकिस्तान

सेंचुरियन. एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को सेंचुरियन टेस्ट में 2 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (ड्ब्लूटीसी) के फाइनल में जगह भी बना ली। 148 रन के टारगेट का पीछा कर रही होम टीम ने एक समय 99 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। यहां कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को रोमांचक जीत दिला दी। मार्करम-बावुमा के बाद बिखरी होम टीम टेस्ट के चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने 27/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ऐडन मार्करम 37 रन बनाकर आउट हुए, उनके बाद बावुमा टिक गए। उन्होंने 40 रन बनाए। टीम ने 96 रन पर 5 विकेट गंवाए, यहां उन्हें 52 रन और चाहिए थे। बेडिंघम और कोर्बिन बॉश को पवेलियन भेज दिया। इस बीच नसीम शाह ने काइल वेरियन को बोल्ड कर दिया। देखते ही देखते ही टीम का स्कोर 99 रन पर 8 विकेट हो गया।

यानसन-रबाडा ने दिलाई रोमांचक जीत 100 रन के अंदर 8 विकेट गंवाने के बाद कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने साउथ अफ्रीका को संभाल लिया। दोनों ने पहले संभलकर बैटिंग की, फिर खराब गेंदों पर शॉट्स खेलने शुरू कर दिए। रबाडा ने 30 और यानसन ने 16 रन बनाकर टीम को जीत भी दिला दी। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने

6 विकेट लिए। 1-1 विकेट नसीम शाह और खुर्रम शहजाद को भी मिला। आमेर जमाल कोई विकेट नहीं ले सके, लेकिन उन्होंने 1 ही ओवर में 11 रन खर्च कर दिए।

फाइनल में ऐसे पहुंचा साउथ अफ्रीका: पाकिस्तान को पहला टेस्ट हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में साउथ अफ्रीका ने 7वीं जीत दर्ज की। टीम के 88 पॉइंट्स हैं और 66.67त्न पॉइंट्स के साथ टीम पहले नंबर पर मौजूद है। टीम अब दूसरा टेस्ट हार भी गई तो 61.11त्न पॉइंट्स पर फिनिश करेगी। ऐसे में उनका टॉप-2 पोजिशन में रहना कन्फर्म है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका भी फाइनल खेलने की रेस में हैं। इनमें ऑस्ट्रेलिया ही अपने सभी मैच जीतकर साउथ अफ्रीका से आगे निकल सकता है। भारत और श्रीलंका सभी मैच जीतकर भी साउथ अफ्रीका को पीछे नहीं छोड़ पाएंगे। इसलिए टॉप-2 पोजिशन कन्फर्म होने के कारण साउथ अफ्रीका ने ड्ब्लूटीसी फाइनल में भी जगह बना ली।

तीसरे दिन पाकिस्तान ने 237 रन बनाए: पाकिस्तान ने तीसरे दिन 88/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। बाबर आजम ने 50 और सऊद शकील ने 84 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। टीम किसी तरह 237 रन तक पहुंची और साउथ अफ्रीका को 148 रन का टारगेट मिला। दूसरे दिन साउथ अफ्रीका को 90 रन की बढ़त साउथ अफ्रीका ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 301 रन बनाए। टीम से ऐडन मार्करम ने 89 और कोर्बिन बॉश ने 81 रन की पारी खेली। साउथ अफ्रीका ने 213 रन के स्कोर पर ही 8 विकेट गंवा दिए थे, यहां से बोश ने टैलेंडर्स के साथ मिलकर टीम को 90 रन की बढ़त दिला दी। पहले दिन पाकिस्तान 211 रन ही बना सका पाकिस्तान ने गुरुवार को टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, लेकिन टीम इस मौके को भुना नहीं सकी। कामरान गुलाम ने 54 रन बनाए।

यूएफा नेशंस लीग: आयरलैंड को 5-0 से हराया

इंग्लैंड ने दूसरे हाफ में दागे पांच गोल, शीर्ष पर कब्जा

एड्रियन के दो गोल, फ्रांस ने इटली को 3-1 से दी शिकस्त

लंदन. एजेंसी

हैरी केन की अगुवाई में इंग्लैंड की फुटबॉल टीम ने आयरलैंड के खिलाफ यूएफा नेशंस लीग मुकाबले में 5-0 से धमाकेदार जीत दर्ज की। रोचक बात यह है कि पहले हाफ तक मैच में एक भी गोल नहीं हुआ था, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लिश टीम ने दनादन अंदाज में पांच गोल कर एकतरफा जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड लीग बी के ग्रुप-2 में शीर्ष पर पहुंच गया है। इंग्लैंड की ओर से इस मैच में हैरी केन ने 53वें, एंथनी गोर्डन ने 55वें, कोनोर गेलाघर ने 58वें, जेरोड बावेन ने 76वें और टेलर हारवुड-बेलिस ने 79वें मिनट में गोल किए। एक अन्य मैच में फ्रांस ने इटली को 3-1 से हरा दिया। फ्रांस की जीत में एड्रियन रेबियट ने दो गोल किए। रेबियट ने ये दोनों गोल हैडर के जरिए किए। रेबियट ने मैच के दूसरे ही मिनट में फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। जिसे इटली के गुग्लिल्मो विकारियो ने 33वें मिनट में आत्मघाती गोल कर दुगुना कर दिया। इटली ने भी एंड्रिया कैम्बियारो के 35वें मिनट में किए गए गोल से खाता खोला। लेकिन रेबियट ने 65वें मिनट में एक और गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

मेट्रो बाजार

ग्राहकों को भा रहीं सीएनजी कारें बिक्री में एसयूवी की 54% हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत में कारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। इनमें सबसे अधिक एसयूवी बिक रहे हैं, जबकि हैचबैक और सिडान कारों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी लगातार घट रही है। 2021 में कारों की कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 38.17 फीसदी थी जो अक्टूबर 2024 में बढ़कर 53.6 फीसदी हो गई। वहीं इस दौरान सिडान कारों की हिस्सेदारी 10.1 फीसदी से घटकर 8.31 फीसदी रह गई और हैचबैक की हिस्सेदारी 40 फीसदी से घटकर 24.6 फीसदी रह गई। जो ग्राहक सिडान कारें खरीद रहे हैं, उन्हें अब सीएनजी फिटेड कारें अधिक पसंद आ रही हैं। रिपोर्ट

के मुताबिक, भारत में बिकने वाली 41 फीसदी से अधिक सिडान कारें अब सीएनजी से चलती हैं, क्योंकि लोग स्वच्छ ईंधन पसंद कर रहे हैं। टैक्सी श्रेणी में मारुति डिजायर, हुंडई ऑरा, टाटा टिगोर जैसे लोकप्रिय मॉडल ने कॉम्पैक्ट सिडान की वृद्धि में योगदान दिया है। समूची सिडान श्रेणी में कॉम्पैक्ट सिडान की हिस्सेदारी साल 2021 की 68 फीसदी से बढ़कर साल 2024 में अब तक 74.6 फीसदी गई। इसके विपरीत निजी इस्तेमाल वाली मिड-सिडान (मुख्य रूप से होंडा सिटी, मारुति सियाज और फोक्सवैगन वर्चुस) की हिस्सेदारी साल 2021 की 26.2 फीसदी से घटकर अब 20.2 फीसदी रह गई। सिडान श्रेणी ने बाजार में हिस्सेदारी गंवा दी है, क्योंकि लोग एसयूवी पसंद कर रहे हैं। सीएनजी अपनाने में लगातार तेजी आई है। कुल सिडान कारों की बिक्री में साल 2021 में सीएनजी फिटेड कारों की हिस्सेदारी 10.8 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 41.5 फीसदी हो गई है। इसके विपरीत पेट्रोल सिडान कारों ने उपभोक्ताओं की पसंद गंवा दी है। इसकी हिस्सेदारी साल 2021 की 82 फीसदी की तुलना में तेजी से घटकर वर्ष 2024 में घटकर अब 55.5 फीसदी रह गई है। डीजल ने भी अपनी हिस्सेदारी गंवाई है और यह 2021 के 6.5 फीसदी से घटकर 2024 में केवल 1.1 फीसदी रह गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत देगा 4-5 अरब डॉलर का प्रोत्साहन पैकेज!

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 4 से 5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन (पीएलआइ) देने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को मजबूत करना और चीन से आयात पर निर्भरता को कम करना है। पिछले 6 साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन दोगुने से ज्यादा बढ़कर 2024 में 115 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसम एपल और सैमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ोतरी का बड़ा योगदान है। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बन गया है। हालांकि, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत अभी भी पुर्जों के लिए चीन-हांगकांग और ताइवान जैसे देशों पर पूरी तरह निर्भर है। सूत्रों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय की ओर से तैयार की गई योजना के तहत उन पुर्जों की पहचान कर ली गई है, जिन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। एक अधिकारी ने बताया कि नई योजना से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे मुख्य पुर्जों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे घरेलू वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्थानीय सप्लाई चेन मजबूत होगी। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय जल्द ही इस योजना की अंतिम मंजूरी देगा और इसे अगले 2-3 महीनों में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इसमें वैश्विक और स्थानीय कंपनियों को 4-5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की उम्मीद है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

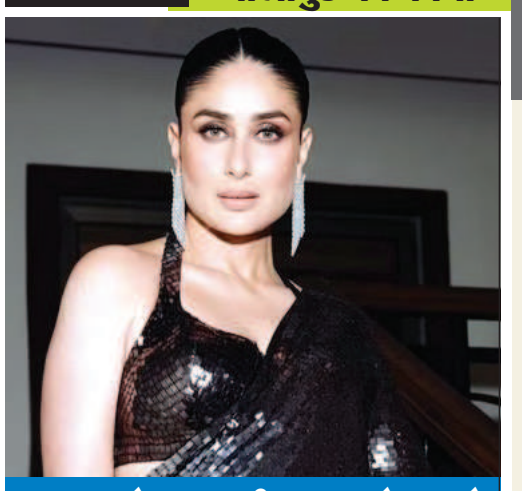

मास्टर शेफ रणबीर बरार के हाथों की पंजीरी खाकर नाच उठीं करीना

सर्दियों का मौसम लगते ही रणवीर बरार ने करीना कपूर के लिए पंजीरी बनाकर भेजी है। इस पर बेबो ने खुशी जताई है। अभिनेत्री करीना खाने-पीने के बेहद शौकीन हैं। इस मामले में वे अक्सर कहती हैं कि वे एक टिपिकल पंजाबी की तरह खाना-पीना पसंद करती हैं। हाल ही में मास्टरशेफ और अब अभिनेता बन चुके रणवीर बरार ने उनके लिए तोहफा भेजा। सर्दियों की दस्तक के साथ रणवीर ने अभिनेत्री को अपने हाथों की पंजीरी भेजी। इसे चखकर करीना कपूर नाच उठीं। खुद उन्होंने इसकी खुशी जताई है। करीना कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने टिफिन में बड़ी खूबसूरती से रखी पंजीरी की तस्वीर शेयर की है। इसके बराबर में दो मोमबत्ती जल रही हैं। करीना कपूर ने मैसेज लिखा है, मोमबत्ती की रोशनी में सर्दियों की शुरुआत का नजारा। लजीज पंजीरी। इसे देखकर मेरे अंदर का पंजाबी नाच उठा है। बहुत शुक्रिया मास्टर शेफ और अब मास्टर एक्टर...। रणवीर बरार और करीना कपूर ने फिल्म द बकिंघम मर्डर्स में साथ काम किया है। हंसल मेहता के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म इसी साल सितंबर में रिलीज हुई। इस फिल्म के जरिए करीना कपूर ने बतौर डेब्यू किया। वहीं, रणवीर बरार ने बतौर अभिनेता इस फिल्म से डेब्यू किया है। वे लोकप्रिय सेलिब्रिटी शेफ हैं। वे मास्टरशेफ इंडिया में बतौर जज भूमिका निभाते देखे गए हैं।

ओटीटी पर देखें 'द बकिंघम मर्डर्स'

करीना कपूर के अलावा हंसल मेहता ने भी रणवीर बरार की तारीफ की है। हंसल मेहता ने इंस्टाग्राम स्टोरी साझा कर रणवीर बरार का शुक्रिया अदा किया है। बात करें द बकिंघम मर्डर्स की तो यह फिल्म इस महीने ओटीटी पर आ चुकी है। इसे नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है। करीना के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे सिनेमाघरों में लगी सिंघम अगेन में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म फ्लॉप साबित हुई है। आगामी फिल्मों का जिक्र करें तो मेघना गुलजार की 'दायरा' उनकी झोली में है।

अभिनेता शाहरुख खान, बोले- अपने काम की आलोचना करना मुझे नहीं पसंद...

दुबई के ग्लोबल फेट समिट में शाहरुख खान ने गलतियों को सबक में बदलने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और असफल होने का साहस करो फिर से उठो। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान दुबई के ग्लोबल फेट समिट में शामिल हुए हैं। इस दौरान उन्होंने भविष्य में अभिनय की दुनिया में करियर बनाने वाले कलाकारों को कुछ खास बातों का ज्ञान दिया है। दरअसल, दुबई के ग्लोबल फेट समिट में किंग खान ने अभिनेताओं को मूल्यवान सलाह दी, उन्होंने कहा कि उन्हें दूर की सोचनी चाहिए और बड़े लक्ष्यों के साथ अपना ध्यान काम पर केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, एक छवि बनाने की कोशिश मत करो। बस खुद बनो। ईमानदार रहो। बहुत मेहनती बनो। गलतियां करने के लिए साहसी बनो। यह मत सोचो कि तुम्हें कौन फॉलो कर रहा है या तुम्हारे कितने प्रशंसक हैं। मुझे लगता है कि जीवन में आपके लिए लेने और देने के लिए बहुत कुछ है, न कि केवल 15 मिनट की लोकप्रियता के बारे में चिंतित होना। लंबे समय तक बने रहने के लिए काम करो। किंग खान ने आगे कहा, बड़े और लंबे समय तक का लक्ष्य बना कर उस पर काम करो, न कि सिर्फ कुछ समय के लाभ और लोकप्रियता को पाने के लिए काम करो। मुझे पता है कि ये ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में हम बचपन से पढ़ते हैं शाहरुख ने गलतियों को सबक में बदलने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, कड़ी मेहनत। असफल होने का साहस। फिर से उठो। बार-बार वही गलतियां करो और हर बार उनसे बाहर निकलने की कोशिश करो।

'गोलू' का ओटीटी पर नया गोल, खोए प्यार के लिए फिर दिखाएंगी ये काली काली आंखें

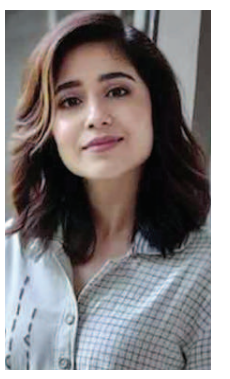

श्वेता त्रिपाठी 'ये काली काली आंखें' के दूसरे सीजन के साथ फिर लौट आई हैं। अब उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली इस सीरीज के बारे में बात की। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिर लौट आई हैं। मिर्जापुर, मसान में उनकी काली काली आंखों ने खूब जलवा दिखाया और अब जिस कहानी के साथ वह ओटीटी पर लौट रही हैं, उसका तो नाम ही है, ये काली काली आंखें। इस सीरीज के दूसरे सीजन में उनके किरदार पर ही लोगों की निगाहें टिकने वाली हैं क्योंकि बाकी सारे किरदार इस कहानी में अपने पत्ते पिछले सीजन में ही खोल चुके हैं। श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार मुझसे अलग हों और एक-दूसरे से भी अलग हों। मुझे वे दांव पसंद हैं जो उच्च ड्रामा के साथ आते हैं, जहां प्रत्येक किरदार की यात्रा गहन और प्रभावशाली लगती है। ये काली काली आंखें में शिखा का किरदार मेरे किरदार से बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद लेती हूं। सीरीज ये काली काली आखें के बारे में उनका कहना है, ये शो वास्तव में सवाल पूछता है कि आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? इस सीजन में शिखा खुद को इसी यात्रा पर पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को गहराई में ले जाएगा और डराएगा भी। इस सीजन में, दर्शकों को मेरे किरदार का एक स्त्री और कमजोर पक्ष दिखाई देगा, फिर भी वह उग्र और दृढ़ है। यह जीवन में एक रोमांचक संतुलन है। ये काली काली आंखे के दूसरे सीजन का नेटफ्लिक्स पर खास प्रचार प्रसार तो नहीं हो रहा है लिहाजा इसके कलाकार अपनी बातें अपनी टीम के जरिये ही दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सीरीज का पहला सीजन भी कुछ खास नहीं रहा। लेकिन, हां श्वेता को लोगों ने पसंद किया। इस बार भी वह कुछ नए कांड इस सीरीज में करने वाली हैं। इसके आगे पढ़ने के लिए पाठकों को स्पॉयलर के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि सीरीज में अपने किरदार के बारे में भी श्वेता ने खुलासा कर दिया है।

वीआईपी रोड पर राजा भोज की प्रतिमा के पास की घटना

बेटे के साथ तालाब में आत्महत्या करने पहुंची महिला, पुलिस ने बचाया

एलएलबी कर चुकी है महिला, पति भी वकील, अक्सर होती थी अनबन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वीआईपी रोड पर राजा भोज की प्रतिमा के पास शनिवार शाम एक महिला अपने 11 साल के बच्चे के साथ तालाब में कूदकर आत्महत्या करने पहुंच गई। सूचना मिलते ही डायल 100 में मौजूद हेड कांस्टेबल मौके पर पहुंचे और महिला को समझाइश दी। महिला मानने को तैयार नहीं थी। थाने से महिला स्टाफ बुलाकर उसकी काउंसलिंग कराई गई। महिला ने बताया कि पति से उसकी अक्सर अनबन होती है और वह जीना नहीं चाहती। पति को बुलाकर पुलिस ने समझाइश देते हुए घर भेज दिया।

11 साल के बेटे के साथ रेलिंग से टिककर बैठी हुई थी

जानकारी के अनुसार शाम करीब साढ़े 7 बजे वहीआईपी रोड पर एक महिला अपने 11 साल के बेटे के साथ रेलिंग से टिककर बैठी हुई थी। उसे रोता देख कुछ लोगों ने डायल 100 को सूचना दी।

सूचना मिलते ही तलैया थाने के प्रधान आरक्षक यासीन अहमद मौके पर पहुंच गए और महिला से पूछताछ की, लेकिन महिला वहां हटने के लिए तैयार नहीं थी। यासीन अहमद ने थाने में सूचना देते हुए एसआई सृष्टि गुप्ता व महिला आरक्षक अंतिना व अन्य पुलिसकर्मियों को बुलाया। स्टाफ महिला को लेकर थाने पहुंची।

कॉल कर पति को थाने बुलाया

महिला से पूछताछ करने पर पता चला कि वह करोंद इलाके की रहने वाली है और गृहणी है। महिला ने एलएलबी तक पढ़ाई की है। पति वकील है। उनका 11 साल का बेटा है। पति-पत्नी के बीच अक्सर घरेलू अनबन होती थी। शनिवार को भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद महिला अपने बेटे के साथ घर से निकल गई और आत्महत्या करने के इरादे से व्हीआईपी पहुंच गई। सच्चाई पता चलने पर पुलिस ने महिला के पति को समझाइश दी। महिला अपने पति के साथ जाने के लिए तैयार हो गई।

82 साल की बुजुर्ग महिला को सांप ने काटा मौत

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित धतूरिया गांव में 82 साल की बुजुर्ग महिला को सांप ने काट लिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार द्रोपदी बाई पति कोमल प्रसाद (82) गांव धतूरिया, तहसील बैरसिया में रहती थी। रविवार सुबह वह घर पर थी। इस दौरान किसी जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया परिजन झाड़फूंक करवाने के बाद उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, वहां रात करीब साढ़े 8 बजे डॉक्टर ने द्रोपदी बाइक को मृत घोषित कर दिया।

छात्र के कमरे से लैपटॉप चुराने वाला बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स पुलिस ने छात्र के कमरे से लैपटॉप चुराने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चुराया गया 85 हजार रुपए का लैपटॉप बरामद किया है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और गौरीशंकर आवासीय परिसर में किराए से रह रहा था।

पुलिस के अनुसार मग्गिडी सांईवर्धन पिता मग्गिडी राजालिंगइ (18) सेज सनसिटी फेस-1 कटारा हिल्स में रहता है और सेज कॉलेज में कंप्यूटर साइंस से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 25 दिसंबर की शाम करीब छह बजे उसने अपने कमरे के गेट की कुंडी लगाई और बेंडमिंटन खेलने पार्क में चला गया था। करीब डेढ़ घंटे बाद लौटा तो कमरे में रखा एप्पल कंपनी का लेपटाप चोरी हो चुका था। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश की। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि लहारपुर में विष्णु शर्मा फास्टफूड के पास एक युवक लैपटॉप बेचने की फिराक में घूम रहा है।

सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने घेराबंदी करते हुए संदेही को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सैयद मोहम्मद जैद हसन पिता सैयद मोहम्मद ताहिर हसन (19) लालबाग दरंभगा बिहार बताया। आरोपी ने बताया कि वह हाल ही में गौरीशंकर परिसर कटारा हिल्स में किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने आरोपी से चुराया गया लैपटॉप बरामद कर लिया है।

शपथ दिलाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मानस उद्यान गुफा मंदिर भोपाल में प्रांतीय प्राच्य संस्कृत छात्र परिषद भोपाल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को सांसद आलोक शर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

अधिवेशन

मानस भवन में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति परिषद संगठन का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ जिसमें अनेक जिलों से आए संगठनों ने अपने-अपने विचार रखें

जिला बदर का उल्लंघन करने पर रासुका की कार्रवाई की

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा पुलिस ने जिला बदर का उल्लंघन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उससे चाकू बरामद किया है। आरोपी इलाके का निगरानी बदमाश है। इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई?थी। बावजूद इसके आरोपी इलाके में ही घूम रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की है।

यूसुफ उर्फरईश, उर्फ रमजानी (45) गौतम नगर में रहता है। उसके खिलाफ राजधानी के अलग अलग थानों में मारपीट, हत्या के प्रयास, अड़ीबाजी, चाकूबाजी, चोरी, समेत दो दर्जन अपराध दर्ज है। लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई?थी।

उसे भोपाल समेत आसपास के जिलों की सीमा से दूर रहने ही हिदायत दी गई?थी। बावजूद इसके आरोपी इलाके में वारदात की नियत से चाकू लेकर घूम रहा था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

नव विवाहिता ने कुएं में कूदकर दी जान, पुलिस ने निकाली लाश

मायके पक्ष ने प्रताड़ित करने के लगाए आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित केशूखेड़ी कस्बे में रविवार सुबह नव विवाहिता ने कुएं में कूदकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला की लाश कुएं से बाहर निकाल पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। मृतिका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसडीओपी को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार रुकसार बी पति अनवर खान (19) गांव केशूखेड़ी गुनगा में रहती थी। उसकी एक साल पूर्व ही अनवर खान से शादी हुई थी। अनवर खान खेती किसानी करता है और खेत पर ही उसका मकान बना है। उसने पुलिस को सूचना दी थी कि सुबह करीब छह बजे रुकसान ने कुएं में छलांग लगा दी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से रुकसार की लाश बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी। रुकसार बी का मायका गुनगा में ही एक कस्बे में है। घटना की जानकारी मिलते ही उसके मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए थे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी में रविवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार रमेश अहीर पिता सुरेश अहीर (35) मल्टी वाजपेयी नगर में रहता था और मजदूरी करता था। परिजन ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर वे धूप में बाहर बैठे हुए थे। करीब 12 बजे वह घर से बाहर आए थे। एक घंटे बाद एक बजे घर में पहुंचे तो रमेश फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की तलाशी ली, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि मृतक शराब पीने का आदी था।

मेट्रो एंकर | लोन की राशि का अन्यत्र उपयोग कर रहे थे

70 लाख का लोन हड़पने वाले पिता-पुत्र पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने कल्पतरु सहकारी संस्था के मैनेजर और उनके पिता के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अमानत में खयानत की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है कि पिता-पुत्र ने करीब 9 साल पहले निजी फायनेंस कंपनी से 70 लाख रुपए का लोन खाद एवं बीज खरीदने के नाम पर लिया था। लोन लेने के बाद राशि ब्याज सहित बढ़कर साढ़े तीन करोड़ रुपए हो चुकी है।

फायनेंस कंपनी के प्रबंधक ने पुलिस को शिकायत की

फायनेंस कंपनी को पता चला है कि आरोपी पिता-पुत्र ने लोन की रकम से खाद व बीज न खरीदकर किसी और जगह निवेश किया है तो फायनेंस कंपनी के प्रबंधक ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार फरियादी इम्तियाज अमीन निजी फायनेंस कंपनी में प्रबंधक हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि कल्पतरु सहकारी संस्था के मैनेजर ओमकार सिंह चौहान ने वर्ष 2017 और 2019 में अलग-अलग बार में क्रमश- 25 लाख, 35 लाख रुपए और 10 लाख रुपए समेत कुल 70 लाख रुपए का लोन सहकारी संस्था के लिए खाद व बीज खरीदने के लिए लिया था।

ओमकार के पिता नर सिहं चौहान इस लोन में गैरेंटर बने थे। लोन लेने के बाद उसकी किश्तें अदा नहीं की गई। निजी फायनेंस कंपनी की ओर से उनसे लोन अदा करने के लिए कहा गया तो पिता-पुत्र ने कहा कि लोन की राशि कल्पतरु सहकारी संस्था से आरव्ही सहकारी संस्था को ट्रांसफर कर दी जाए। इसके जरिए लोन अदा कर देंगे। आरव्ही संस्था और कल्पतरु संस्था का ऑफिस दानिश कुंज इलाके में है।

आरोपियों के कहने पर फायनेंस कंपनी ने लोन आरव्ही कंपनी के नाम ट्रांसफर कर दिया। ट्रांसफर होने तक लोन की राशि ब्याज समेत एक करोड़ 10 लाख और फिर वर्तमान समय में तीन करोड़ 65 लाख रुपए हो चुकी है।

आवेदन के मुताबिक निजी तौर पर फायनेंस कंपनी की ओर से की गई छानबीन में पता चला है कि आरोपी पिता-पुत्र की नीयत शुरू से ही ठीक नहीं थी। उन्होंने लोन की राशि खाद व बीज खरीदने के नाम पर कहीं और निवेश कर दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022